नई दिल्ली ■ रविवार 04 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 277 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 स्वदेशी मिसाइल शक्ति ने बदली भारत की सामरिक तस्वीर | 07 सिराज न्यूजीलैंड श्रृंखला से करेंगे वनडे में वापसी | चित्रांगदा सिंह के कॅरियर के लिए खास रहा साल 2025 08

हमारी सभ्यता की जीवंत धरोहर हैं भगवान बुद्ध के अवशेष : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भारत के लिए मात्र ऐतिहासिक वस्तुएं या संग्रहालय की कलाकृतियां नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की जीवंत, पवित्र और अटूट धरोहर हैं।

बुद्ध का ज्ञान और मार्ग केवल भारत का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का साझा प्रकाश है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को यहां राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपराहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी का शीर्षक 'द लाइट एंड द लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकन्ड वन' रखा गया है, जिसमें 1898 में खोजे गए बुद्धकालीन अवशेषों और कलाकृतियों को एक सदी से अधिक समय बाद पहली बार वैश्विक मंच पर इतने विस्तृत और भव्य स्वरूप में प्रदर्शित किया गया।

प्रधानमंत्री ने संबोधन की शुरुआत में थाईलैंड, वियतनाम, मंगोलिया, रूस, लंका, नेपाल, जापान और अन्य देशों से आए प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि 125 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद बुद्ध की पवित्र निशानियां भारत की धरती पर लौट आई हैं। इन अवशेषों की वापसी भारत की सांस्कृतिक संप्रभुता की पुनर्स्थापना का प्रतीक है, जो यह दर्शाती है कि औपनिवेशिक काल में भारत से बाहर ले जाई गई हमारी विरासत को अब संरक्षित सम्मान के साथ वापस लाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने राय पिथौरा को देश के गौरवशाली अतीत और आध्यात्मिक पुनर्जागरण का संगम स्थल बताते हुए कहा कि बुद्ध के अवशेषों की उपस्थिति किसी भी स्थल और वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को धन्य कर देती है। उन्होंने गोदरेज समूह का विशेष आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इन अवशेषों की सार्वजनिक नीलामी को रोकने और भारत में उनकी वापसी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलामी केवल राजनीतिक या आर्थिक परतों में नहीं होती, बल्कि वह सभ्यताओं की स्मृतियों और विरासत को भी मिटा देती है। औपनिवेशिक काल में पिपराहवा के अवशेषों को यह समझकर देश से बाहर ले जाया गया कि वे पुरानी, निष्प्राण वस्तुएं हैं, जबकि भारत के लिए वे पूज्य हैं, पवित्र हैं, और बुद्ध के जीवन-दर्शन का साक्षात प्रतीक हैं। जिन लोगों ने इन्हें भारत से बाहर ले जाया और उनके वंशजों ने इन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने और नीलाम करने का प्रयास किया, उनके लिए ये केवल संग्रह की वस्तुएं थीं लेकिन भारत ने यह स्पष्ट किया कि इनकी सार्वजनिक नीलामी की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भारत इन अवशेषों का संरक्षक भी है और बुद्ध परंपरा का जीवंत संवाहक भी हैं। मोदी ने कहा थाईलैंड में एक महीने से भी कम समय में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने इन अवशेषों के दर्शन किए। वियतनाम में प्रदर्शनी का समय श्रद्धालुओं की मांग पर बढ़ाना पड़ा, जहां नौ शहरों में लगभग 1.75 करोड़ लोगों ने इन्हें श्रद्धांजलि दी। मंगोलिया में हजारों लोग गंडन मठ के बाहर घंटों कतार में खड़े रहे और अनेक श्रद्धालु भारतीय प्रतिनिधियों को छूना चाहते थे, क्योंकि वे बुद्ध की भूमि से आए थे। रूस के कालमिकिया क्षेत्र में एक सप्ताह में 1.5 लाख से अधिक लोगों ने दर्शन किए, जो वहां की आधी से अधिक आबादी के बराबर है। इन आयोजनों में आम नागरिकों से लेकर राष्ट्राध्यक्षों तक की एक जैसी श्रद्धा दिखाती है कि भगवान बुद्ध सबके हैं और सभी को जोड़ते हैं।

प्रधानमंत्री ने बुद्ध परंपरा से अपने निजी जुड़ाव का जिक्र करते हुए कहा कि मेरा जन्मस्थान वडनगर प्राचीन काल में बौद्ध शिक्षा का प्रमुख केंद्र था। सारनाथ मेरी कर्मभूमि है, जहां बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश दिया था। आधिकारिक जिम्मेदारियों से अलग रहते हुए भी मैंने बौद्ध तीर्थस्थलों की यात्रा एक तीर्थयात्री के रूप में की और प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे लुंबिनी स्थित माया देवी मंदिर, जापान के तो-जी और किंकाकु-जी मंदिर, चीन के विशाल जंगली हंस पगोडा, लंका के जया महाबोधि, थाईलैंड के वाट फो और सिंगापुर के बुद्ध टूथ रेलिक मंदिर में जाने का सौभाग्य मिला। मैं जहां भी गया, वहां से बुद्ध परंपरा की स्मृतियां और प्रतीक वापस लाने की कोशिश की। मैंने चीन, जापान, कोरिया और मंगोलिया में बोधि वृक्ष के पौधे भेंट किए और कहा कि हिरोशिमा जैसे शहर, जो परमाणु त्रासदी का साक्षी है, वहां बोधि वृक्ष का खड़ा होना मानवता के लिए गहरे संदेश का प्रतीक है।

बीजापुर-सुकमा में मुठभेड़ में मारे गए 14 नक्सली

मारे गये 4 नक्सलियों की शिनाख्त हुई

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर एवं सुकमा जिले में शनिवार सुबह हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 14 नक्सलियों को ढेर कर दिया। मुठभेड़ में मारे गये नक्सलियों की शिनाख्त पांच लाख रुपये की इनामी हुंगा मड़कम ऊर्फ पंचुगा निवासी ग्राम पूवर्ती थाना जगरगुण्डा, जिला सुकमा, पदनाम- एसीएम पामेड़ एरिया कमेटी तथा पांच लाख का इनामी आयती मुचाकी ऊर्फ जोगी निवासी ग्राम-पीनाचन्दा थाना पामेड़ जिला बीजापुर, पदनाम- पीपीसीएम पामेड़ एरिया कमेटी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सुकमा के किस्टाराम इलाके में 12 और बीजापुर में 2 नक्सली मारे गए हैं। सभी के शव के साथ मुठभेड़ स्थल से बड़ी मात्रा में एके 47, इंसास, एसएलआर रायफल जैसे हथियार भी बरामद किए गए। पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि इस अभियान के दौरान अब तक मुठभेड़ स्थल से 2 नक्सली का शव, एसएलआर रायफल, 12 बोर देशी कट्टा सहित विस्फोटक सामग्री एवं नक्सली सामग्री मौके से बरामद हुई है। वहीं सुकमा जिले में हुई मुठभेड़ में कुल 12 नक्सलियों के शव के साथ हथियार सहित बरामद किए गए। जिनमें 5 महिला नक्सली भी हैं। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर मारे गए नक्सलियों में कोंटा एरिया कमेटी इंचार्ज वेट्टी मंगडू ऊर्फ मुक्का एवं कोंटा एरिया कमेटी सचिव माड़वी हितेश उर्फ हूंगा के रुप में पहचान हुई है। शेष नक्सलियों की पहचान की जा रही है। बस्तर आईजी सुन्दरराज पट्टलिंगम ने कहा कि "बस्तर में माओवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। संगठन की संरचना टूट चुकी है और अब उनकी किसी भी हिंसक चाल या दहशत फैलाने की कोशिश का कोई प्रभाव नहीं रह गया है। सभी सक्रिय माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं।

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में पुलिस टीम पर हमला, छह पुलिसकर्मी घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में जमीन विवाद में तृणमूल कांग्रेस के एक नेता को पकड़ने गई पुलिस पर उसके समर्थकों ने हमला कर दिया। इस हमले में छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, राजबाड़ी फांड़ी की पुलिस टीम शुक्रवार रात संदेशखाली ब्लॉक के बोयरमारी इलाके में तृणमूल नेता मूसा मोल्ला को गिरफ्तार करने उसके घर पहुंची और उसे थाने चलने को कहा। इसी दौरान उसने अपने समर्थकों को फोन कर मौके पर बुला लिया। भीड़ ने पुलिस पर हमला कर दिया। पुलिस का दावा है कि हमलावरों ने आरोपित को पुलिस वाहन से जबरन उतार लिया। इसके बाद पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ की गई। इस हमले में छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालात बेकाबू होते देख अतिरिक्त बल बुलाना पड़ा। घटना के बाद नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली विस्फोट के आरोपी नसीर मल्ला को 13 दिनों की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज प्रशांत शर्मा ने लाल किला के पास विस्फोट मामले के आरोपित डॉ. बिलाल नसीर मल्ला को 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कोर्ट ने डॉ. बिलाल नसीर मल्ला को 26 दिसंबर को आज तक की एनआईए हिरासत में भेजा था। हिरासत खत्म होने पर आज उसे कोर्ट में पेश किया गया, जिसके बाद मल्ला को 16 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। डॉ. मल्ला को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था और उसे इस मामले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक माना जा रहा है। एनआईए के मुताबिक डॉ. मल्ला ने उमर-उन-नबी को जानबूझकर पनाह दी और जरुरी साधन मुहैया कराए। इस मामले में अब तक नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सभी आरोपित फिलहाल हिरासत में हैं। एनआईए सभी आरोपितों से पूछताछ कर पूरी साजिश का खुलासा करने की कोशिश कर रही है।

शीर्ष कमांडर देवा समेत 20 नक्सलियों का तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण

हैदराबाद। माओवादियों के शीर्ष कमांडर बरसे देवा ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। देवा के साथ तेलंगाना के अहम लीडर कंकनाला राजी रेड्डी और उनकी पत्नी ने भी पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। उनके समूह में 48 और माओवादी हैं। माओवादियों के इस आत्मसमर्पण के वजह से माओवादी पार्टी की 41 केंद्रीय समिति सदस्य अब घटकर चार रह गई है। आत्मसमर्पण के दौरान 48 एलएमजी और 20 लाख रुपये नकदी बरामद हुई। यह समूह दंडकारण्य क्षेत्र में सक्रिय रहकर पिछले कई वर्षों से सुरक्षाबलों के लिए सिरदर्द बना हुआ था। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी ने शनिवार को पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना में सिर्फ़ एक राज्य कमेटी सदस्य बचा है। आज का आत्म समर्पण मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आह्वान पर किया गया। उन्होंने कहा कि बरसे देवा ने माओवादी पार्टी को हथियार आपूर्ति करने में अहम भूमिका निभाई थी।

चुनाव आयोग ने नागरिकों से मांगे 'इसीआईनेट' को बेहतर बनाने के सुझाव

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने नागरिकों से 'इसीआईनेट' को बेहतर बनाने के लिए सुझाव मांगे हैं। ऐप डाउनलोड कर 'सुझाव सबमिट करें' टैब पर 10 जनवरी तक सुझाव दिए जा सकते हैं। आयोग ने कहा है कि यूज़र के सुझावों की जांच की जाएगी और इसे और ज्यादा यूज़र-फ्रेंडली बनाने के लिए प्लेटफॉर्म को और अपडेट किया जाएगा।

'इसीआईनेट' प्लेटफॉर्म इस महीने आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जाएगा। 'इसीआईनेट' ऐप के ट्रायल वर्जन में बेहतर वोटर सेवाएं उपलब्ध हैं। इस ऐप का बिहार विधानसभा चुनाव 2025 और उपचुनावों के दौरान सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था। चुनाव अधिकारियों के फीडबैक के आधार पर इस प्लेटफॉर्म में लगातार सुधार और बदलाव किए जा रहे हैं। 'इसीआईनेट' मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ आयोग की प्रमुख पहलों में से एक है। 'इसीआईनेट' ऐप के डेवलपमेंट पर काम 4 मई को इसकी घोषणा के बाद शुरू हुआ। 'इसीआईनेट' ऐप नागरिकों के लिए एक सिंगल, एकीकृत ऐप है जो पहले के 40 अलग-अलग चुनाव संबंधी एप्लिकेशन/ वेबसाइट जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, सीविजिल, सक्षम, पोलिंग ट्रेंड्स (वोटर टर्नआउट ऐप), अपने उम्मीदवार को जानें (केवाईसी) ऐप, को एक ही इंटरफ़ेस में इंटीग्रेट करता है। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर और एप्पल एप स्टोर दोनों से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

असम में हिंसा फैलाने की साजिश में आईएम के मॉड्यूल के 11 आतंकी पकड़े

गुवाहाटी। असम के चिरांग, बाक्सा, बरपेटा और दरंग तथा त्रिपुरा के अगरतला से गिरफ्तार इमाम महमूदर काफिला (आईएमके) मॉड्यूल से जुड़े 11 अतंकियों का मकसद प्रदेश में सांप्रदायिक हिंसा फैलाना था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपितों ने बरपेटा, चिरांग और निचले असम के अन्य जिलों में धन संग्रह शुरू कर दिया था। कुछ मस्जिदों में कथित तौर पर भारतीय राज्यों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष के लिए लोगों को उकसाया जा रहा था।

असम पुलिस ने शनिवार को बताया कि बरपेटा निवासी नसीम उद्दीन, जिसे अमीर बताया गया है, अप्रैल-मई 2024 में त्रिपुरा के एक सहयोगी के साथ बांग्लादेश गया था, जहां उसने बैठकों और प्रशिक्षण सत्रों में हिस्सा लिया। पुलिस के अनुसार एसटीएफ पुलिस थाना कांड संख्या 06/2025 की जांच में अहम प्रगति करते हुए यह खुलासा हुआ कि वर्ष 2024 के अंत में नसीम उद्दीन उर्फ तमीम एक यूट्यूब चैनल के संपर्क में आया था।

इसी दौरान उसकी बातचीत बांग्लादेश निवासी खालिद से हुई, जिसने बाद में उसे टेलीग्राम के माध्यम से जोड़ा। इस टेलीग्राम अकाउंट से धार्मिक पुस्तकों, पीडीएफ और तथाकथित संदेश भेजकर कट्टर विचारधारा का प्रचार किया गया। पुलिस के अनुसार, खालिद ने बांग्लादेश के उमर, सुजान बिन सुल्तान, शमीम बराह, पश्चिम बंगाल के मीर रहमान तथा त्रिपुरा के अगरतला निवासी जगीर मियां के निर्देश पर हदीस की गलत व्याख्या करते हुए आने की बात कही। इसके बाद टेलीग्राम पर 'पूर्व आकाश' नामक समूह बनाया गया, जिसका पहला प्रशासक खालिद था और बाद में नसीम उद्दीन को बनाया गया। इस समूह के जरिए 'गजवा-ए-हिंद' से जुड़े संदेश कई सदस्यों तक पहुंचाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि जिन धार्मिक पुस्तकों का हवाला दिया गया, वे वास्तव में अस्तित्व में ही नहीं थीं।

इसके बाद यह स्पष्ट हुआ कि यह पूरा प्रचार फर्जी था और इसका संबंध 'इमाम महमूदर काफिला' (आईएमके) नामक संगठन से है, जो प्रतिबंधित आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) का एक उपगुट है। वर्ष 2018 में पूर्व जेएमबी कैडर ज्वेल महमूद उर्फ इमाम महमूद हबीबुल्लाह उर्फ सोहेल द्वारा स्थापित यह संगठन 'गजवातुल हिंद' की हिंसक विचारधारा का प्रचार करता है। एसटीएफ अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की जांच चरणबद्ध तरीके से जारी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों, फंडिंग स्रोतों तथा गतिविधियों की गहन पड़ताल की जा रही है।

एनसीसी ने देशभर के 90 प्रतिशत से अधिक जिलों में अपनी पहुंच बना ली है: महानिदेशक वीरेंद्र वत्स

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) 2026 का शुभारंभ दिल्ली कैंट स्थित डीजी एनसीसी शिविर में भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। इस वर्ष आयोजित आरडी शिविर में देशभर से कुल 2,406 कैडेट भाग ले रहे हैं, जिनमें जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के 127 कैडेट तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के 131 कैडेट शामिल हैं। इसके अलावा, यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम (वाईईपी) के अंतर्गत 25 मित्र देशों के कैडेट और अधिकारी भी इस शिविर में सहभागिता कर रहे हैं।

एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने कोर की स्थापना के 77 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सभी कैडेटों और अधिकारियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने इस शिविर के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह कैडेटों को गणतंत्र दिवस से पूर्व राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित होने वाले विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, मूल्यों और परंपराओं से परिचित कराने का एक सशक्त मंच प्रदान करता है। लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने मीडिया को संबोधित करते हुए देशभर के 90 प्रतिशत से अधिक जिलों में एनसीसी इकाइयों की सशक्त और निरंतर बढ़ती उपस्थिति का उल्लेख किया।

उन्होंने बताया कि 1948 में स्थापना के समय जहां एनसीसी कैडेटों की संख्या मात्र 20,000 थी, वहीं वर्तमान में यह बढ़कर लगभग 20 लाख हो चुकी है, जिनमें 40 प्रतिशत बालिका कैडेट शामिल हैं। लेफ्टिनेंट जनरल वत्स ने विभिन्न प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2025 के दौरान एनसीसी ने देश की विविध संस्कृतियों व विभिन्न क्षेत्रों के कैडेटों के बीच एकता, आपसी समझ और राष्ट्रीय एकीकरण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 1,665 वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, 6 विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर तथा 33 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' शिविरों का सफल आयोजन किया।

मादुरो को पकड़े जाने के बाद वेनेजुएला के भविष्य के बारे में अमेरिका ही फैसला करेगा: ट्रंप

कारकस (वेनेजुएला)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति को पकड़ने और उन्हें देश से बाहर ले जाने के बाद अमेरिका इस बारे में आगे की रणनीति पर निर्णय लेगा।

ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कहा कि देश पर शासन कौन करेगा, इसमें हमारी गहरी भूमिका होगी।' राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़े जाने के कुछ घंटों बाद ट्रंप ने कहा कि हम किसी और को चुनाव लड़ने और उनके छोड़े हुए काम को आगे बढ़ाने का जोखिम नहीं उठा सकते। इस बीच, वेनेजुएला की सत्तारूढ़ पार्टी के नेता नाहूम फर्नांडीज ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी फोर्ट टियूना सैन्य प्रतिष्ठान के भीतर स्थित अपने घर में थे जब उन्हें पकड़ा गया।

उन्होंने कहा कि वहीं पर उन्होंने बमबारी की थी और वहीं पर उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और देश की प्रथम महिला को पकड़ा था।

नोएडा प्राधिकरण की 221वीं बोर्ड बैठक

न्यू नोएडा, स्पोर्ट्स सिटी और आवासीय परियोजनाओं पर लिए महत्वपूर्ण निर्णय

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण की 221वीं बोर्ड बैठक शनिवार को अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त उप्र एवं अध्यक्ष नोएडा प्राधिकरण दीपक कुमार की अध्यक्षता में हुई। नोएडा प्राधिकरण के सेक्टर-6 स्थित मुख्य प्रशासनिक भवन के सभागार में हुई बैठक में नोएडा सीईओ लोकेश एम, यमुना प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए।

नोएडा प्राधिकरण की बैठक में भविष्य की परियोजनाओं न्यू नोएडा, स्पोर्ट्स सिटी के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसका उद्देश्य संपत्ति आवंटन और विकास कार्यों को सुव्यवस्थित करना था। इसके अलावा यूनिफाइड पॉलिसी में संशोधन, छोटे व्यावसायिक भूखंडों के आवंटन नियमों में बदलाव, न्यायालय के फैसलों से जुड़े प्रस्ताव, और नई आवासीय योजनाओं (जैसे किसान कोटे की स्कीम, स्पोर्टस सिटी) पर चर्चा शामिल थी, साथ ही ड्रेन (नालों) की सफाई और एसटीपी प्लांट लगाने के प्रस्तावों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

वहीं अमिताभ कांत की सिफारिशों को लागू रखने और बकाया वसूली के विकल्पों पर चर्चा के साथ ही वेव मेगा सिटी के सरेंडर किए गए हिस्से के लिए सैद्धांतिक मंजूरी पर विचार हुआ। बोर्ड बैठक में संचालक मण्डल द्वारा इस तथ्य का भी संज्ञान लिया गया कि 4 ऐसी परियोजनाएं है जिनके द्वारा अपनी सहमति के उपरांत भी भुगतान नहीं किया गया, 11 ऐसे डेवलेपर है जिनके द्वारा 25 प्रतिशत धनराशि के सापेक्ष आंशिक धनराशि जमा करायी गयी एवं 36 ऐसे डेवलेपर है जिनके द्वारा 25 प्रतिशत धनराशि जमा कराए जाने के उपरांत कोई भी भुगतान नहीं किया गया है।

उक्त के अनुसार 25 प्रतिशत, आंशिक धनराशि एवं किश्तें को सम्मिलित करते हुए कुल रू0 872.12 करोड की धनराशि प्राधिकरण में जमा कराई गई है। इस प्रकार इन परियोजनाओं में रूकी हुई लगभग 6855 फ्लैट बायर्स के पक्ष में नियमानुसार रजिस्ट्री की कार्यवाही सुनिश्चित की जा सकेगी। वर्तमान तिथि तक 4134 फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री की जा चुकी हैं। उक्त तथ्यों को बोर्ड द्वारा अवलोकन करते हुए शीघ्र अति शीघ्र पलैट बायर्स की रजिस्ट्री की संख्या बढ़ाये जाने हेतु यथा संभव कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

बोर्ड बैठक में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

1. नोएडा प्राधिकरण द्वारा आवासीय समितियों के पक्ष में आवंटित ग्रुप हाउसिंग भूखण्डों पर निर्मित फ्लैटस में वर्तमान में काबिज / सम्बन्धित समिति से एनओसी प्राप्त Subsequent Member के पक्ष में त्रिपक्षीय उप पटटा प्रलेख पंजीकृत न होने के कारण आ रही समस्याओं के समाधान / निराकरण हेतु संबंधित अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी की अध्यक्षता में 8 सदस्य समिति का गठन किये जाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।

2. प्राधिकरण क्षेत्र में विभिन्न ड्रेनों के सुधार एवं शोधन हेतु प्राधिकरण स्तर से आवश्यक शोधन प्रणाली जो ड्रेनों के समीप स्थलीय उपलब्धता एवं पर्यावरण मानक को प्राप्त करने हेतु अनुकूल हो तथा वह प्रणाली तुलनात्मक दरों के आधार पर मित्तव्ययी हो एवं प्राधिकरण हित में हो, उसको प्राप्त करने के लिए ई-निविदा के माध्यम से आमंत्रित कर इच्छुक राष्ट्रीय स्तर की पर्यावरण शोधन प्रणाली एसटीपी पाँच वर्ष के संचालन एवं अनुरक्षण का कार्य कराने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।

3. नोएडा प्राधिकरण द्वारा प्रकाशित आवासीय भूखण्ड योजना 2011-1 केवल नोएडा के कृषक श्रेणी हेतु यथा संशोधित 2016 के अन्तर्गत आवंटन वर्ष 2021 में किये गये 644 भूखण्डों के अतिरिक्त अवशेष भूखण्डों के आवंटन अवशेष आवेदकों के मध्य ड्रा के संबंध में नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना प्राधिकरणों के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी स्तर के अधिकारियों की समिति का गठन करते हुए कार्य करने का संचालक मण्डल द्वारा अनुमोदन किया गया।

4. सिटी लॉजिस्टिक प्लान हेतु एसपीए (School of Planning and Architecture), नई दिल्ली अथवा आईआईटी, रुडकी से प्रस्तुततिकरण कराते हुए सिटी लॉजिस्टिक प्लान तैयार करने के लिए सलाहकार संस्था का चयन करने हेतु प्रस्ताव प्राधिकरण बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया।

5. उच्चतम न्यायालय में योजित एस.एल.पी. संख्या 38149/2025 में पारित आदेशों के अनुपालन में स्पोर्ट्स सिटी परियोजना के अंतर्गत एस.सी.-02/H&I, सेक्टर-150, नौएडा के सशर्त अधिभोग प्रमाण पत्र निर्गत कर दिया गया है, जिसे प्राधिकरण बोर्ड द्वारा अवलाकित किया गया।

6. स्पोर्टस सिटी परियोजना एससी-02, सेक्टर-150, नोएडा के प्रकरण में मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के क्रम में अग्रिम कार्यवाही करने के बोर्ड द्वारा निर्देश दिये गये।

7. Unified Regulations 2025 के वाणिज्यिक, संस्थागत एवं औद्योगिक विभाग से संबंधित बिन्दुओं में आंशिक संशोधन किये जाने हेतु बोर्ड द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

8. पुरानी रूकी हुई भू-सम्पदा परियोजनाओं (लिगेसी स्टाल्ड रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स) की समस्याओं के निदान के लिये शासनादेश संख्या-7774/77-4-2023-6011/2023, दिनांक 21 दिसम्बर, 2023 में लिये गये निर्णय के कम में नीति/पैकेज को क्रियान्वयन के संबंध में प्रगति रिपोर्ट के संबंध में-

उक्त शासनादेश के अन्तर्गत चिन्हित किये गये कुल 57 परियोजनाओं में से दिनांक 31.12.2025 तक कुल 36 परियोजनाओं ने सफलतापूर्वक इस शासनादेश का लाभ उठाया है, जो कि कुल डेवलपर्स का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा है।

सेक्टर-167 में अगले माह शुरू होगा ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-167 में निजी मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र फरवरी अंत तक शुरू हो जाएगा। इस केंद्र के शुरू होने से शहर के लोगों को दादरी तक चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। जिले का यह तीसरा केंद्र होगा। परिवहन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक गौतमबुद्ध नगर में पांच प्रशिक्षण केंद्र प्रस्तावित थे। इसमें से दो ग्रेटर नोएडा के दादरी में शुरू हो चुके हैं। इनमें से एक शिवम मार्बल मोटर प्रशिक्षण केंद्र और वाईबी बिल्डर्स ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र है।

वहीं, तीसरा मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र एम/एस एक्सलरेट इंस्टीट्यूट सेक्टर-167 में शुरू होगा। केंद्र शुरू करने की समयसीमा पूरी हो चुकी है। केंद्र को शुरू करने का जिम्मा लेने वाले व्यक्ति ने अतिरिक्त समय मांगा है। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ. उदित नारायण पांडे ने कहा कि केंद्र का ढांचा बनकर तैयार है। यह अधिकतम दो माह में शुरू हो जाएगा। नोएडा के लोगों को दादरी तक चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा सेक्टर-167 में मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र शुरू होने से नोएडा के लोगों को दादरी तक चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। लंबे समय से लोग नोएडा में मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र खोलने की मांग कर रहे थे। लोगों का कहना था कि स्थाई ड्राइविंग लाइसेंस की परीक्षा के लिए उन्हें लगभग डेढ़ घंटे तक का सफर तय करके दादरी पहुंचना पड़ता है। यदि परीक्षा में फेल हो जाते हैं तो दोबारा आवेदन करके फिर से लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। ग्रेनो वेस्ट में भी खुलेगा परिवहन विभाग के अनुसार ग्रेटर नोएडा वेस्ट में भी एक केंद्र खुलना है। इसके लिए मुख्यालय से अनुमति भी मिल चुकी है लेकिन जिस व्यक्ति ने इसका जिम्मा लिया है, उन्होंने अब तक कोई काम शुरू नहीं किया है।

वहीं, ग्रेटर नोएडा में भी एक और केंद्र खुलना था लेकिन आवेदक ने अपना आवेदन वापस ले लिया है। पहले परिवहन विभाग के पास में थी जिम्मेदारी परिवहन विभाग के पास बीते साल 31 जुलाई तक स्थाई ड्राइविंग लाइसेंस की परीक्षा की जिम्मेदारी थी लेकिन एक अगस्त से निजी केंद्र को शासन की ओर से यह जिम्मेदारी दे दी गई थी। लोगों को विभाग की वेबसाइट www.parivahan.gov.in पर स्थाई ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन करना होता है और बुक टाइम स्लॉट के आधार पर परीक्षा के लिए केंद्र में पहुंचना होता है। परीक्षा में पास होने के बाद ड्राइविंग लाइसेंस लखनऊ की एक एजेंसी प्रिंट करके वाहन मालिक के घर पर पहुंचाती है।

हमले के बाद दोबारा गांव में कार्रवाई करने पहुंची टीम

- शनिवार को पुलिस के साथ दोबारा गांव में पहुंचे विभाग के कर्मचारियों ने ट्रांसफॉर्मर से अवैध केबल जोड़कर बिजली चोरी करने वालों पर कार्रवाई की

ग्रेटर नोएडा। एनपीसीएल ने बिजली चोरी के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। शुक्रवार को दनकौर क्षेत्र के कनारसी गांव में टीम पर ग्रामीणों द्वारा हमला किए जाने के बाद शनिवार को पुलिस के साथ दोबारा गांव में पहुंचे विभाग के कर्मचारियों ने ट्रांसफॉर्मर से अवैध केबल जोड़कर बिजली चोरी करने वालों पर कार्रवाई की।

एनपीसीएल के प्रवक्ता मनोज झा ने बताया कि कार्रवाई में भारी मात्रा में केबल बरामद की है। बिजली चोरी रोकने के लिए 10 विशेष टीमें गठित की गई हैं। पिछले साल 1 अप्रैल से लेकर दिसंबर 2025 तक अलग-अलग गांवों में चलाए गए अभियान के तहत 5500 लोगों पर बिजली चोरी का मामला दर्ज किया गया है।

इस अभियान के तहत अब तक कुल 24 हजार किलोवाट की बिजली चोरी पकड़ी गई। शहरी क्षेत्र के अलावा कुलेसरा, अलावर्दीपुर, बिलासपुर, बिसरख, जलालपुर, मायचा समेत कई गांवों में अभियान चलाया गया।

वाहन चोरी कराने वाले गिरोह के 3 अरोपी गिरफ्तार

नोएडा। दिल्ली एनसीआर में फाइंसेस पर सैकेंड हैंड कार बेचने, फिर उनकी किस्त तुड़वाकर सस्ते दामों पर बैंक से सेटल करवा कर खरीदने के बाद फिर उन्हें जीपीएस लगाकर बेच कर चोरी कराने वाले एक गिरोह के 3 बदमाशों को थाना सेक्टर-113 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की एक कार कार व चाबी बरामद की है।

डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद ने बताया कि बीते दिनों थाना सेक्टर-113 में एक शख्स ने मुकदमा दर्ज कराया था कि उसकी कार चोरी हो गई है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच-पड़ताल कर रही थाना सेक्टर-113 पुलिस टीम ने लोकल इंटेलिजेंस व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से मिली एक सूचना के आधार पर आज लोकेश नागर पुत्र भगत सिंह, डीलर अरुण भारद्वाज पुत्र स्वर्गीय शिवदत्त भारद्वाज तथा अमित नागर पुत्र स्वर्गीय संजय नागर को पर्थला डूब क्षेत्र कब्रिस्तान सर्विस रोड़ से गिरफ्तार किया है। उन्होंन्रे बताया कि अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की एक कार बिना नम्बर प्लेट व कार की चाबी बरामद की गयी है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला है कि अभियुक्त अरूण फाइंसेस पर सैकेंड हैंड कार बिकवाता था, फिर उनकी किस्त तुड़वाकर सस्ते दामों पर बैंक से सेटल करवा लेता था। इससे महंगी गाड़ी उसे सस्ते दामों में मिल जाती थी और फिर अभियुक्त उस गाड़ी को आगे बेच देता था। अभियुक्त द्वारा वादी को कार बेचने के दौरान ही उस कार की डुप्लीकेट चाबी बना ली जाती थी व कार में जीपीएस लगा देता था। उन्होंने बताया कि अरूण कार बेचने के बाद कार ट्रांसफर होने से पहले ही अपने साथी लोकेश व अमित से कार को चोरी करवा कर फिर उसे फर्जी प्रपत्र तैयार कर दोबारा अन्य किसी को बेच देता था। उन्होंने बताया कि अभियुक्त के अन्य आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है।

हादसों में तीन लोगों की जान गई

नोएडा। नोएडा में अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों के परिजन ने संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। एटा के जीसुखपुर गांव की रहने वाली काजल राठौर ने एक्सप्रेसवे थाने में एफआईआर दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि पति कुंवर पाल सिंह शहदरा गांव में रहते थे। सेक्टर-168 की पारस सीजन सोसाइटी में गार्ड की नौकरी करते थे।

वह गुरुवार को एडवंट टावर के सामने एक्सप्रेसवे पर सड़क पार कर रहे थे। दिल्ली की ओर जाने वाली तरफ अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने कुंवर पाल को मृत घोषित कर दिया। उधर, गाजियाबाद के भोपुरा निवासी रुपाली पुरोहित ने सेक्टर-58 थाने में एफआईआर दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि भाई राहुल 27 दिसंबर को स्कूटी लेकर दिल्ली की ओर जा रहा था।

सेक्टर-62 फुटओवर ब्रिज के पास पवन नाम के चालक के पिकअप वाहन से उसकी स्कूटी टकरा गई। हादसे में उसकी मौत हो गई। वहीं, पूर्वी दिल्ली के गुरु अंगद नगर निवासी पप्पू कुमार ने फेज-वन थाने में एफआईआर दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर को भाई देव कुमार नोएडा से दिल्ली स्कूटी पर सवार होकर आ रहा था। दलित प्रेरणा स्थल के गेट नंबर-पांच के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल देव कुमार की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि तीनों ही हादसों में वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

प्रदूषण से राहत, एक्यूआई 250 से कम रहा

नोएडा। दो दिनों से नोएडा और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 250 से कम रहा। शनिवार को नोएडा का एक्यूआई 242 और ग्रेटर नोएडा का 239 दर्ज किया गया। सुबह और दोपहर में तेज हवा चली। एक दिन पहले के मुकाबले नोएडा के एक्यूआई में 13 अंक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई एक अंक बढ़ा। नोएडा में सबसे अधिक वायु प्रदूषित स्थान सेक्टर-1 रहा। यहां का एक्यूआई 273 दर्ज किया गया। वहीं, ग्रेनो के नॉलेज पार्क-5 में वायु प्रदूषण अधिक रहा। यहां का एक्यूआई 262 दर्ज किया गया। सेक्टर-62 का एक्यूआई सबसे कम 191 रहा। दो महीने बाद इस स्तर पर पहुंचा नोएडा और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 57 दिनों के बाद शुक्रवार को 250 से कम दर्ज किया गया। इससे पहले पांच नवंबर को दोनों शहरों का एक्यूआई इससे कम था। शुक्रवार को नोएडा का एक्यूआई 229 रहा था। वहीं ग्रेनो का 238 दर्ज किया गया था।

झाड़ियों में मिला लापता युवक का शव, पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया

नोएडा। जिले में तीन दिन से लापता 24 वर्षीय एक युवक का शव झाड़ियों से बरामद किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस को बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि युवक की गला दबाकर हत्या की गई है और इस मामले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। थाना सेक्टर-126 के प्रभारी निरीक्षक सोमेश कुमार ने बताया कि बिहार के समस्तीपुर जिले के रहने वाले अजय मुखिया यहां रायपुर गांव में रहता था। उन्होंने बताया कि पास में ही उसका संबंधी रामवचन रहता है और जब अजय 28 दिसंबर को घर नहीं पहुंचा तो रिश्तेदारों ने उसकी तलाश शुरू की तथा थाना सेक्टर 126 में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई। अधिकारी ने बताया कि पुलिस की एक टीम उसकी तलाश कर रही थी और शुक्रवार रात को उसका शव झाड़ियों में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और ऐसी आशंका जताई कि उसकी हत्या गला दबाकर की गई है। पुलिस के मुताबिक, अजय शादीशुदा है और यहां रहकर मजदूरी करता था। पुलिस ने बताया कि इस मामले में मृतक के संबंधी रामवचन, साजन सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों से पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि अजय की पत्नी से रामवचन के अवैध संबंध थे और इसी वजह से उसकी हत्या की गई थी। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

नामी कंपनी का फर्जी टैग लगे लाखों के कपड़े जब्त

नोएडा। मॉल के अंदर दुकान में नामी कंपनियों के फर्जी टैग और लेबल लगाकर कपड़े बेचने का खुलासा हुआ। पुलिस ने छापेमारी के दौरान लाखों के फर्जी लेबल और टैग लगे कपड़े जब्त किए। दुकान के मालिक और उसके सहयोगी के खिलाफ केस दर्ज किया। बिहार निवासी दीपक राम ने पुलिस को बताया कि वह यूनाइटेड कंपनी में फील्ड ऑफिसर हैं। दीपक पोलो, जॉर्डन और नाइक समेत अन्य नामी कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधि हैं। बीते दिनों उन्हें सूचना मिली कि सेक्टर-75 स्थित स्पेक्ट्रम मेट्रो मॉल में फहर फैशन हब नाम की दुकान पर नामी कंपनियों के फर्जी टैग लगाकर कपड़े बेचे जा रहे हैं। पुलिस टीम के साथ मिलकर शिकायतकर्ता ने दुकान पर छापेमारी की तो वहां नामी कंपनियों के टैग लगे हुए भारी संख्या में कपड़े और जैकेट बरामद हुई। इसकी पूरी वीडियोग्राफी कराई गई। बरामद सामान को टीम ने अपने कब्जे में लिया। इस मामले में थाने में दुकान के मालिक फारुख अहमद और सहयोगी नौशाद के खिलाफ केस दर्ज हुआ है।

अवैध खनन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई, 33 वाहन सीज, लाखों का जुर्माना और एफआईआर दर्ज

नोएडा। अवैध खनन और उपखनिज के गैरकानूनी परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मेधा रूपम के निर्देशों तथा अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार के मार्गदर्शन में खनन विभाग द्वारा निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत दिसंबर माह 2025 में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जांच और प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। जिला खनन अधिकारी उत्कर्ष त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि दिसंबर 2025 के दौरान जेवर, दादरी, दनकौर, कासना सहित अन्य क्षेत्रों में अवैध रूप से उपखनिज का परिवहन करते हुए कुल 33 वाहनों को पकड़ा गया। इन सभी वाहनों को संबंधित थानों में निरुद्ध किया गया है।

इस दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 12 लाख 39 हजार 730 रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया, जिसकी वसूली भी सुनिश्चित की गई। इसके अलावा नए वर्ष की शुरुआत में भी प्रशासन ने अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखी। 2 जनवरी 2026 को डिप्टी कलेक्टर गौतम बुद्ध नगर, तहसीलदार दादरी एवं खान अधिकारी गौतम बुद्ध नगर की संयुक्त टीम द्वारा तहसील दादरी के ग्राम रायपुर खादर स्थित खनन पट्टा क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नदी की जलधारा में अवैध खनन के स्पष्ट साक्ष्य पाए गए, जो पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के लिए गंभीर खतरा माने जा रहे हैं।

जांच में दोष सिद्ध होने पर संबंधित खनन पट्टा क्षेत्र में नियमों के उल्लंघन के चलते 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन न केवल राजस्व की हानि करता है, बल्कि पर्यावरण संतुलन को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देशानुसार जनपद में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। प्रशासन ने खनन कारोबार से जुड़े लोगों को चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ किसी भी स्तर पर कोई ढील नहीं दी जाएगी।

दिल्ली विस में अटलजी, मालवीय जी के चित्रों का अनावरण

अटलजी और मालवीय जी ने दिखाया कि सच्चा नेतृत्व सत्ता और राजनीति से ऊपर होता है : राजनाथ सिंह

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राजनीति सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं बल्कि जनसेवा का पवित्र दायित्व है। लोकतंत्र तभी स्थायी रहता है, जब वह चरित्र, नैतिकता और सत्यनिष्ठा से निर्देशित हो यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही, जब वे दिल्ली विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी और भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के चित्रों के अनावरण समारोह में उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि दोनों नेता नैतिक ईमानदारी, लोकतांत्रिक जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता के सर्वोच्च मानक स्थापित करते हैं और उनका सार्वजनिक आचरण आज भी नैतिक राजनीति, उद्देश्य की एकता और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने में मार्गदर्शक है। यह कार्यक्रम दिल्ली विधानसभा परिसर में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, प्रख्यात पत्रकार एवं पद्म भूषण से सम्मानित राम बहादुर राय, दिल्ली सरकार के संसदीय कार्य मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, की उपस्थिति में आयोजित हुआ। इसके अतिरिक्त राज्य मंत्री (सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय) हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, विधायक, पार्षद, पूर्व सांसद, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने महान नेताओं को पुष्पांजलि अर्पित की, जिसके बाद विधान सभा सदन में उनके चित्रों का अनावरण किया गया, जो भारत की संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक विरासत को समर्पित एक गरिमामयी श्रद्धांजलि है।

कार्यक्रम के दौरान पत्रकार एवं इतिहासकार गुंजन अग्रवाल द्वारा लिखित कॉफी टेबल बुक 'भारत माता' का विमोचन रक्षा मंत्री ने किया। इसके उपरांत दोनों भारत रत्न विभूतियों के जीवन और योगदान पर आधारित डॉक्यूमेंट्री 'संसदीय पथ के आलोक स्तंभ' का प्रदर्शन भी किया गया। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि जब राष्ट्र श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी मना रहा है, ऐसे समय में इस ऐतिहासिक सदन में अटल जी और महामना मालवीय जी के चित्रों का अनावरण विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधान सभा केवल एक भवन नहीं बल्कि वह जीवंत संस्था है जहां विचार, विमर्श और संवाद के माध्यम से भारत की लोकतांत्रिक चेतना का विकास हुआ है। स्वतंत्रता से पूर्व ही सरदार विट्ठलभाई पटेल, गोपाल कृष्ण गोखले, मोतीलाल नेहरू और पंडित मदन मोहन मालवीय जैसे नेताओं ने इन्हीं लोकतांत्रिक मंचों पर भारत की वैचारिक आधारशिला रखी।

यह अवसर केवल दो महान व्यक्तित्वों को श्रद्धांजलि नहीं बल्कि नैतिक राजनीति, शिक्षा आधारित राष्ट्र निर्माण, संसदीय गरिमा और जनसेवा जैसे शाश्वत मूल्यों की पुनः पुष्टि है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इस दिन को विधानसभा के लिए गौरव और हर्ष का क्षण बताते हुए कहा कि दोनों भारत रत्न विभूतियां, जो 25 दिसंबर को जन्मी थीं , उन्हें 25 दिसंबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संयुक्त रूप से भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री द्वारा चित्रों का अनावरण इस अवसर को ऐतिहासिक महत्व प्रदान करता है और दिल्ली विधान सभा से एक सशक्त राष्ट्रीय संदेश देता है। महामना पंडित मदन मोहन मालवीय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करते हुए अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि आधुनिक भारत की आत्मा, दिशा और दृष्टि की कल्पना इनके योगदान के बिना संभव नहीं है। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना में मालवीय जी की भूमिका तथा केंद्रीय और इंपीरियल विधान परिषद में उनके संसदीय योगदान का उल्लेख किया। अटलजी की लोकतांत्रिक संवेदनशीलता को स्मरण करते हुए उन्होंने एक व्यक्तिगत प्रसंग साझा किया, जो यह दर्शाता है कि अटल जी मानते थे कि शासन की शुरुआत समाज के गरीब, वंचित और पीड़ित वर्ग की चिंता से होनी चाहिए, एक ऐसा आदर्श जो आज भी सार्वजनिक नीति का मार्गदर्शन करता है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ये चित्र केवल विधानसभा की दीवारों पर टंगे चित्र नहीं हैं, बल्कि भारत के वर्तमान और भविष्य के लिए मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र निर्माण को समर्पित किया और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को कर्म में जिया। कॉफी टेबल बुक के विमोचन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ सिद्ध होगी तथा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु ऐसे महापुरुषों के आदर्शों का अनुसरण आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इन चित्रों की स्थापना केवल अतीत को नमन नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। महामना मालवीय जी और अटल बिहारी वाजपेयी जी की दृष्टि, समर्पण और सिद्धांत आज भी नागरिकों, विद्यार्थियों और नीति निर्धारकों का मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी विरासत को सेवा, ईमानदारी और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के माध्यम से आगे बढ़ाना प्रत्येक भारतीय का दायित्व है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र ट्रस्ट के अध्यक्ष, पद्मभूषण राम बहादुर राय ने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन नैतिक संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने वर्ष 1968 की एक घटना का उल्लेख किया, जब जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अटलजी ने निलंबित कार्यकर्ता को न्याय दिलाने के लिए व्यक्तिगत हस्तक्षेप किया। उन्होंने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी बौद्धिक, शैक्षिक और राष्ट्रीय विरासत आज भी भारत की सांस्कृतिक चेतना को दिशा दे रही है। 'भारत माता' की अवधारणा पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से पूर्व और उसके दौरान राष्ट्र को एक सजीव नैतिक एवं सांस्कृतिक सत्ता के रूप में देखा गया जिसका सशक्त दस्तावेजीकरण हाल ही में विमोचित पुस्तक में किया गया है।

वरिष्ठ पत्रकार राय ने कहा कि कुमार गुंजन अग्रवाल की 'भारत माता कॉफी टेबल बुक' पंडित नेहरू के 'कौन हैं भारत माता' का जवाब है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू किसानों की सभा में जाकर भारत माता के बारे पूछते थे। उन्हें अफसोस होता है कि पुरुषोत्तम अग्रवाल की किताब 'कौन हैं भारत माता', जिसमें नेहरू के लेख है। आज 'कौन हैं भारत माता' सवालों का जवाब कुमार गुंजन अग्रवाल की 'भारत माता कॉफी टेबल बुक' दे रही है। इस किताब में भारत माता की सौ वर्षों की यात्रा है। किताब में चयनित चित्रकला, स्थापत्य और साहित्यिक कृतियों को संकलित किया गया है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी भारत की एकता, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने में कला की भूमिका को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि इस किताब में 1867 से लेकर 1968 तक भारत माता के चित्रों और लेखों को स्थान दिया गया है। इस किताब में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत माता के साथ एक शृंखल भी है। रामबहादुर राय ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरिवंद केजरीवाल पर तंज कसा कि वे दिल्ली विधानसभा को 'फांसी घर' बनाना चाहते थे। कार्यक्रम के समापन पर दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि ऐसे अवसर सार्वजनिक संस्थानों की उस जिम्मेदारी की पुनः स्मृति कराते हैं, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय एकता, लोकतांत्रिक आदर्शों और सांस्कृतिक चेतना की रक्षा करना निहित है।

संक्षिप्त खबरें

लाखों की धोखाधड़ी में फरार बदमाश 12 साल बाद धरा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 12 साल से फरार बदमाश को बाटला हाउस इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपी बुनियाद अली वर्ष 2014 से फरार था और उसे भगोड़ा घोषित किया गया था। उसके खिलाफ पांच आपराधिक मामलों में शामिल होने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, बुनियाद अली और उसके चार साथियों ने पश्चिम सागरपुर के जगदंबा विहार निवासी एक महिला से 60 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी। इस संबंध में सागरपुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान आरोपी का कोई पता नहीं चल सका, लेकिन ई-कोर्ट पोर्टल और संबंधित पुलिस स्टेशन से प्राप्त जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच ने बाटला हाउस में छापेमारी कर उसे दबोच लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और उसके सहयोगियों की तलाश भी की जा रही है। गिरफ्तारी से 12 साल पुरानी फरारियों के मामलों में बड़ी सफलता मिली है।

छेड़छाड़ और मारपीट मामले में भगोड़ा गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने छेड़छाड़ और मारपीट मामले में फरार आरोपी को यूपी के हापुड़ से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान जाकिर नगर का निवासी इरफान के रूप में हुई है। मामला दर्ज होने के चलते आरोपी दो साल पहले विदेश भाग गया था। जब वह कतर से वापस भारत लौटा तो क्राइम ब्रांच ने सूचना के आधार पर उसे दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, इरफान ने जाकिर नगर में किराए पर कमरा लिया था। उसने किराया नहीं दिया और मकान मालकिन के कहने पर कमरे को खाली करने से इनकार कर दिया। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता महिला और उनके पति के साथ बदसलूकी और मारपीट की। शिकायत के आधार पर केस दर्ज होने के बाद आरोपी देश छोड़कर चला गया। इस बीच अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। लौटने के बाद उसकी तलाश तेज कर दी गई और यूपी के हापुड़ में रहने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

अवैध ई-टिकटिंग करने वाला आरोपी दबोचा, 11 टिकटें जब्त

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की दिल्ली मेन पोस्ट ने ऑपरेशन उपलब्ध के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रेलवे आरक्षित ई-टिकटों का कारोबार करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी पर्सनल यूजर आईडी से टिकट बनाकर ऊंचे दामों पर बेच रहा था। आरपीएफ इंस्पेक्टर नीलेश कुमार के निर्देशन में सहायक उप निरीक्षक सुशील कुमार मलिक और हेड कांस्टेबल कुलदीप शर्मा की टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। इसी के अंतर्गत दोपहर करीब 2 बजे नया बाजार दिल्ली के पास से आरोपी रोहित कुमार यादव उर्फ गणेश उम्र 43 वर्ष निवासी प्रेमनगर-1 किरारी सुलेमान नगर नांगलोई को गिरफ्तार किया, आरोपी की दुकान दूसरी मंजिल नया बाजार में स्थित है। गिरफ्तारी के बाद आरपीएफ पोस्ट दिल्ली मेन पर आरोपी के खिलाफ सीसी नंबर 75/2026 के तहत रेलवे एक्ट की धारा 143(1) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। आरोपी के कब्जे से 11 ई-टिकट जिसकी कीमत 19 हजार 544.70 रुपये है।

दिल्ली में दूषित जल संकट पर कांग्रेस का हमला, 33 सैंपल फेल : देवेन्द्र यादव

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने राजधानी में पीने के पानी के सैंपल फेल होने पर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के अंतर्गत 25 टेस्टिंग लैब होने के बावजूद केवल 2 लैब ही ग्लोबल स्टैंडर्ड से प्रमाणित हैं, जो दिल्ली की करीब 3 करोड़ आबादी के स्वास्थ्य के लिए बेहद चिंताजनक है। 11 से 18 दिसंबर के बीच जल शोधन संयंत्रों से लिए गए सैंपलों में 33 सैंपल शुद्धता की जांच में फेल पाए गए, जिससे भलस्वा, जनकपुरी, अशोक नगर, नांगलोई कॉलोनी और चंदर नगर सहित कई इलाकों में गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायतें सामने आई हैं। देवेन्द्र यादव ने कहा कि इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों के बावजूद भाजपा सरकार की चुप्पी खतरनाक है और यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो दिल्ली में भी ऐसी ही स्थिति बन सकती है।

उन्होंने दूषित जल आपूर्ति को लापरवाही नहीं बल्कि 'खुला अपराध' बताते हुए कहा कि भाजपा और पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी दोनों ही दिल्लीवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में विफल रही हैं, जिससे जनता के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा है।

NDMC के सुविधा कैंप में 54 शिकायतें दर्ज

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। नागरिक-केंद्रित सुशासन को मजबूती देने के उद्देश्य से नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने शनिवार को एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर, जय सिंह रोड में मासिक सुविधा कैंप का आयोजन किया। इस कैंप में बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे और अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। कैंप के दौरान कुल 54 शिकायतें औपचारिक रूप से दर्ज की गईं, जिन पर संबंधित विभागों ने त्वरित कार्रवाई शुरू की। एनडीएमसी अधिकारियों के अनुसार, प्राप्त शिकायतें मुख्य रूप से कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, जनस्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्य, कर (टैक्स) और संपदा विभाग से संबंधित थीं। इसके अलावा, सैकड़ों नागरिक और सेवा उपभोक्ता विभिन्न सिविक सेवाओं से जुड़ी जानकारी और मार्गदर्शन लेने के लिए सुविधा कैंप में पहुंचे।

इस सुविधा कैंप की सबसे बड़ी खासियत नागरिकों और विभागीय अधिकारियों के बीच सीधा संवाद रहा। शिकायतकर्ताओं से टेबल पर विस्तार से बातचीत की गई, जिससे कई मामलों में मौके पर ही समाधान संभव हो सका। जिन मामलों में नीतिगत स्तर पर निर्णय की आवश्यकता थी, वहां नागरिकों को पूरी जानकारी दी गई और समाधान की संभावित समय-सीमा भी स्पष्ट की गई।

शिकायतों के प्रभावी निपटारे के लिए कैंप में एनडीएमसी के 30 से अधिक विभागों के 100 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी तैनात रहे। हर विभाग के लिए अलग-अलग हेल्प डेस्क बनाए गए, जिनकी निगरानी संबंधित विभागाध्यक्ष स्वयं कर रहे थे। इससे यह संदेश गया कि एनडीएमसी नागरिक शिकायतों के समाधान को लेकर गंभीर और जिम्मेदार है।

एनडीएमसी ने अपनी डिजिटल पहल को आगे बढ़ाते हुए 'जन सुविधा पोर्टल' को भी सक्रिय किया है। यह पोर्टल एनडीएमसी की वेबसाइट पर उपलब्ध एक कॉन्टैक्टलेस प्लेटफॉर्म है, जिसके जरिए नागरिक शिकायत दर्ज कर सकते हैं, उनका स्टेटस ट्रैक कर सकते हैं और समाधान पर फीडबैक भी दे सकते हैं। इसके साथ ही ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी शिकायतें प्राप्त की जा रही हैं।

इन पर विभागाध्यक्ष लगातार नजर रखते हैं और शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाता है। एनडीएमसी अधिकारियों का कहना है कि सुविधा कैंप, जन सुविधा पोर्टल और डिजिटल माध्यमों के जरिए परिषद नागरिकों को शासन के केंद्र में रखकर पारदर्शी, सुलभ और नागरिक-अनुकूल सेवाएं देने के अपने संकल्प पर लगातार आगे बढ़ रही है।

अदालत ने हत्या के मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराया

❖ जनभावना टाइम्स

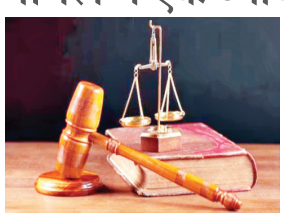

नई दिल्ली। आनंद विहार आईएसबीटी में 2017 में हुए झगड़े के दौरान एक युवक की लाठी से पीट-पीटकर हत्या के मामले में अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराया है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरविंदर सिंह की अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने आरोपों को संदेह से परे साबित किया है। अभियोजन के अनुसार, 27 नवंबर 2017 की रात करीब 1:15 बजे आईएसबीटी आनंद विहार के प्रवेश द्वार के पास शंकर लाल और बलबीर सिंह के बीच कहासुनी हुई। इस दौरान शंकर लाल ने अस्थायी बैरिकेड से बांस उठाकर बलबीर सिंह के सिर पर वार किया। पहले वार से बलबीर सिंह गिर पड़ा और जमीन पर पड़े रहने के दौरान उस पर दोबारा वार किया गया।

अदालत ने पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर कहा कि बलबीर सिंह की मृत्यु सिर पर गंभीर चोट के कारण हुई। बचाव पक्ष का तर्क कि बलबीर सिंह नशे में था और गिरने से चोट लगी, अदालत ने खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि चोटों की प्रकृति और संख्या इस संभावना को पूरी तरह खारिज करती है। अदालत सात जनवरी को दोषी को सजा सुनाएगी।

निगम कर्मचारियों को निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों को निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा दिल्ली नगर निगम कर्मचारी स्वास्थ्य योजना के तहत दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार निगम के स्थायी कर्मचारियों को इलाज की पूरी सुविधा कैशलेस होगी। गौरतलब है कि इस संबंध में बीते वर्ष निगम सदन में प्रस्ताव पारित किया गया था। अब निगम ने नए वर्ष से इस योजना को लागू करने का निर्णय लिया है। योजना लागू होने से निगम के स्थायी कर्मचारियों और उनके परिवारों को बेहतर और समय पर इलाज की सुविधा मिल सकेगी।

आईआईटी रुड़की के पूर्व छात्रों का वैश्विक सम्मेलन संपन्न

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की के पूर्व छात्र संघ (आईआईटीआरएए) ने शनिवार को नई दिल्ली के ताज पैलेस होटल में अपना वार्षिक वैश्विक पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित किया। संस्थान की 178 वर्षों की गौरवशाली विरासत का जश्न मनाते हुए इस सम्मेलन में दुनिया भर से 1000 से अधिक प्रतिष्ठित पूर्व छात्र, उद्योग जगत के दिग्गज, शिक्षाविद और नीति निर्माता शामिल हुए।

कार्यक्रम का मुख्य फोकस 'एआई युग में करियर का पुनःआविष्कार' रहा। सम्मेलन में इंफ्रास्ट्रक्चर को विकास का गुणक बताते हुए एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें सीबीआरआई के इमेरिटस साइंटिस्ट डॉ. अचल मित्तल, एनसीसीबीएम के महानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह, आरएलडीए के उपाध्यक्ष मनोज गर्ग, सिग्नेचर ग्लोबल के सीईओ संजय वश्नेय सहित अन्य विशेषज्ञों ने भाग लिया। पैनल में इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में कार्बन कैप्चर की बढ़ती भूमिका, लागत आधारित बोली से गुणवत्ता आधारित बोली की ओर बदलाव और नवीनतम तकनीकों से स्ट्रक्चरल हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम को अपनाने पर जोर दिया गया।भारत एआई मिशन के सीईओ अभिषेक सिंह और एनडीएमए के सचिव मनीष भारद्वाज ने भारत में एआई के भविष्य पर प्रकाश डाला।

चर्चा में कहा गया कि जब एआई पायलट स्तर से जनसंख्या स्तर पर स्केल करेगा, तो डेटा गवर्नेंस केंद्र में आएगा। राष्ट्रीय संपत्ति जैसे डेटासेट के प्रबंधन के लिए स्पष्ट स्वामित्व, प्राइवेसी बाय डिजाइन, मजबूत सहमति फ्रेमवर्क और निरंतर ऑडिट जरूरी होंगे। नागरिकों की दृष्टि से एआई समाधान सरल, सुलभ और यूजर-फ्रेंडली होने चाहिए। सम्मेलन का नेतृत्व आईआईटी रुड़की निदेशक प्रो. के.के. पंत, आईआईटीआरएए अध्यक्ष विनय कुमार त्रिपाठी, सचिव आर.के. सिंह ने किया। दिल्ली पुलिस के जॉइंट सीपी संजय त्यागी (आईपीएस) का भी अटूट समर्थन रहा। 'थॉमसोनियन' भावना को जीवंत रखते हुए आईआईटी रुड़की समुदाय ने एआई संचालित समाज की ओर समावेशी और प्रगतिशील बदलाव की प्रतिबद्धता दोहराई।

अंतरराज्यीय हथियार तस्कर गिरोह का गुर्गा गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्कर गिरोह के गुर्गे को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से दो पिस्टल और छह जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपित के ऊपर हत्या, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट समेत कुल छह संगीन मामले पहले से ही दर्ज हैं।

पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) आदित्य गौतम ने शनिवार को बताया कि क्राइम ब्रांच द्वारा दिल्ली और एनसीआर में अवैध हथियारों की सप्लाई पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में साइबर सेल की टीम ने तकनीकी निगरानी और सटीक खुफिया सूचना के आधार पर इस अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार दो जनवरी को अपर पुलिस आयुक्त अनिल शर्मा की देखरेख में इंस्पेक्टर संदीप सिंह के नेतृत्व में गठित टीम को गाजियाबाद निवासी एक हथियार सप्लायर के शास्त्री पार्क इलाके में आने की सूचना मिली। सूचना पर टीम ने शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन के पास जाल बिछाया। आरोपित ऑटो-रिक्शा से मौके पर पहुंचा जिसे मुखबिर ने अंकित उर्फ मुन्ना के रूप में पहचानाा। इधर पुलिस को देखकर आरोपित भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर आरोपित को दबोचा। तलाशी के दौरान आरोपित के पास से एक स्टार और एक बेरेटा कंपनी की दो अत्याधुनिक पिस्टल तथा छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इस संबंध में क्राइम ब्रांच थाने में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। पूछताछ में 26 वर्षीय आरोपित अंकित उर्फ मुन्ना ने बताया कि वह अपने गांव में पढ़ाई में अच्छा था लेकिन जमीन विवाद में उसके दो बड़े भाइयों द्वारा चाचा की हत्या के बाद वह अपराध की दुनिया में उतर गया।

हाल ही में जेल से रिहा होने के बाद उसने जल्दी पैसे कमाने के लिए अवैध हथियारों की सप्लाई शुरू की। आरोपित ने खुलासा किया कि वह सोनू उर्फ काले से हथियार लेकर दिल्ली और एनसीआर में सप्लाई कर रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपित के खिलाफ हत्या, डकैती, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट से जुड़े छह मामले पहले से दर्ज हैं। फिलहाल आरोपित से आगे की पूछताछ जारी है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

संपादकीय

खूनी होते विद्या के मंदिर

हमारे देश में शैक्षिक परिसरों को विद्या का मंदिर कहा जाता है। भारत दुनिया का इकलौता ऐसा देश होगा जहां विद्या की देवी की भी श्रद्धा पूर्वक उपासना होती है। अधिकांश विद्यालयों में प्रातःकाल प्रार्थना में मां सरस्वती की आराधना होती है। यही नहीं वसंत पंचमी पर ज्ञान की देवी वीणा वादिनि की स्तुति कर सफलता का वर मांगा जाता है। लेकिन विडंबना की बात यह है कि हमारे देश के कई शैक्षिक परिसर हिंसा और अराजकता के केंद्र बनते जा रहे हैं। हाल ही में हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला से आई दिल झकझोर देने वाली घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। जहां हिंसा और यौन उत्पीडन की शिकार एक छात्रा ने मौत को गले लगा लिया। पीड़ित छात्रा की 26 दिसंबर को लुधियाना के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। सरकारी कॉलेज की इस छात्रा से वहीं की तीन छात्राओं ने तीन महीने पहले कथित रूप से मारपीट की थी। इस घटना का शर्मसार पहलू यह है कि पीड़ित छात्रा के साथ हिंसक व्यवहार रैगिंग के नाम पर किया गया। इससे भी घृणित काम उस शख्स ने किया जिस पर छात्राओं की शिक्षण और सुरक्षा की जिम्मेदारी थी। शिकायत पर दोषियों को दंडित करने के बजाए प्रोफेसर पर छात्रा का यौन उत्पीड़न का आरोप है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ फिलहाल गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। यहां सवाल यह उठता है कि देश में जब रैगिंग के खिलाफ सख्त कानून हैं तो एक शैक्षिक परिसर में इतनी गंभीर वारदात हो कैसे गई? देश में बीते कुछ सालों में रैगिंग की घटनाएं चिंताजनक रूप से सामने आई हैं। वर्ष 2022 से 2024 के बीच रैगिंग का शिकार 51 छात्रों की जान चली गई। इतनी बड़ी संख्या में मौत के मामले दर्शाते हैं कि सख्त कानूनों और विश्व विद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों के बावजूद शैक्षिक परिसरों में रैगिंग एक गंभीर समस्या है। जबकि इसके खिलाफ बने कानून के अंतर्गत कड़ी सजा का प्राविधान है। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि शिक्षण संस्थानों में यदि रैगिंग की किसी भी तरह की घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी संस्थान की होगी। बावजूद इसके हिमाचल जैसे शांत प्रदेश में रैगिंग का यह कोई पहला मामला नहीं है। कुछ साल पहले कांगड़ा के मेडिकल कॉलेज में प्रथम वर्ष के छात्र अमन काचरू के साथ चार छात्रों ने रैगिंग के नाम पर की गई हैवानियत से उसकी जान चली गई थी। ऐसी तमाम घटनाओं के बाद देशव्यापी व्यापक बहस खड़ी होती है लेकिन रैगिंग का प्रेत कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में प्रकट हो ही जाता है। लिहाजा केंद्र सरकार से लेकर तमाम संबंधित संस्थाओं को इस समस्या का स्थाई हल निकाल ही लेना चाहिए।

स्वदेशी मिसाइल शक्ति ने बदली भारत की सामरिक तस्वीर

प्रलय मिसाइल पूरी तरह स्वदेशी है और सॉलिड फ्यूल पर आधारित है। यह तथ्य अपने आप में अहम है, क्योंकि सॉलिड फ्यूल मिसाइलें त्वरित प्रतिक्रिया, आसान रखरखाव और अधिक विश्वसनीयता के लिए जानी जाती हैं। इस मिसाइल में अत्याधुनिक इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम के साथ रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगाया गया है, जो उड़ान के दौरान उसे अपने रास्ते से भटकने नहीं देता। यही वजह है कि प्रलय तय लक्ष्य तक बिल्कुल सही दिशा में पहुंचती है और अंतिम क्षणों में भी सटीकता बनाए रखती है। आधुनिक युद्ध में जहां सेकंडों का महत्व होता है, वहां यह क्षमता निर्णायक साबित हो सकती है। प्रलय की मारक क्षमता इसे और भी खतरनाक बनाती है। करीब 500 किलोमीटर की रेंज और 500 से 1000 किलोग्राम तक के वारहेड ले जाने की क्षमता इसे दुश्मन के अहम सैन्य ठिकानों, कमांड सेंटरों और रणनीतिक संरचनाओं के लिए गंभीर खतरा बनाती है। इसकी तेज रफ्तार के कारण दुश्मन को प्रतिक्रिया का मौका तक नहीं मिल पाता। जब तक यह समझ में आए कि हमला हुआ है, तब तक लक्ष्य पर विनाशकारी असर हो चुका होता है।

-कांतिलाल मांडोत-

ओडिशा के तट पर साल के आखिरी दिन आसमान में जो दृश्य उभरा, उसने भारत की सामरिक क्षमता को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। कुछ ही सेकंड के अंतर पर दागी गईं दो प्रलय मिसाइलें न सिर्फ अपने तय लक्ष्यों तक सटीकता के साथ पहुंचीं, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारत की स्वदेशी रक्षा तकनीक अब परिपक्वता के उस स्तर पर पहुंच चुकी है, जहां भरोसे, सटीकता और ताकत एक साथ दिखाई देती है। चांदीपुर परीक्षण रेंज से हुए इस परीक्षण के दौरान मिसाइलों की उड़ान से लेकर अंतिम चरण तक हर गतिविधि पर रडार और समुद्र में तैनात निगरानी जहाजों की पैनी नजर रही। परीक्षण के बाद जो निष्कर्ष सामने आया, उसने रक्षा वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के आत्मविश्वास को और मजबूत किया।

प्रलय मिसाइल पूरी तरह स्वदेशी है और सॉलिड फ्यूल पर आधारित है। यह तथ्य अपने आप में अहम है, क्योंकि सॉलिड फ्यूल मिसाइलें त्वरित प्रतिक्रिया, आसान रखरखाव और अधिक विश्वसनीयता के लिए जानी जाती हैं। इस मिसाइल में अत्याधुनिक इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम के साथ रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगाया गया है, जो उड़ान के दौरान उसे अपने रास्ते से भटकने नहीं देता। यही वजह है कि प्रलय तय लक्ष्य तक बिल्कुल सही दिशा में पहुंचती है और अंतिम क्षणों में भी सटीकता बनाए रखती है। आधुनिक युद्ध में जहां सेकंडों का महत्व होता है, वहां यह क्षमता निर्णायक साबित हो सकती है। प्रलय की मारक क्षमता इसे और भी खतरनाक बनाती है। करीब 500 किलोमीटर की रेंज और 500 से 1000 किलोग्राम तक के वारहेड ले जाने की क्षमता इसे दुश्मन के अहम सैन्य ठिकानों, कमांड सेंटरों और रणनीतिक संरचनाओं के लिए गंभीर खतरा बनाती है। इसकी तेज रफ्तार के कारण दुश्मन को प्रतिक्रिया का मौका तक नहीं मिल पाता। जब तक यह समझ में आए कि हमला हुआ है, तब तक लक्ष्य पर विनाशकारी असर हो चुका होता है। यही कारण है कि प्रलय को थिएटर लेवल की बैलिस्टिक मिसाइल के तौर पर देखा जा रहा है, जो पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के युद्ध परिदृश्यों में भारत को बढ़त दिला सकती है। इस परीक्षण की खास बात यह रही कि एक ही लॉन्चर से लगातार दो मिसाइलें दागी गईं और दोनों ने अपने लक्ष्य को पूरी तरह हासिल किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे सिस्टम की भरोसेमंदी का प्रमाण बताया और डीआरडीओ, भारतीय सेना, वायुसेना तथा देश के उद्योग जगत को इस सफलता के लिए बधाई दी। उनका यह कहना कि इस तरह के परीक्षण भारत की सामरिक तैयारी को और मजबूत करते हैं, सिर्फ एक औपचारिक वक्तव्य नहीं था, बल्कि यह उस आत्मनिर्भर रक्षा नीति का प्रतिबिंब था, जिस पर देश पिछले एक दशक से लगातार काम कर रहा है। डीआरडीओ प्रमुख डॉ. समीर वी. कामत ने भी इस अवसर पर स्पष्ट किया कि प्रलय मिसाइल अब सेना में शामिल होने के बेहद करीब है। उनका बयान इस बात का संकेत है कि परीक्षणों का यह दौर केवल तकनीकी सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे जल्द ही ऑपरेशनल तैनाती की दिशा में ले जाया जा रहा है। जब किसी मिसाइल प्रणाली को सेना में शामिल किया जाता है, तो उसका मतलब होता है कि वह न सिर्फ तकनीकी मानकों पर खरी उतरी है, बल्कि युद्ध जैसी परिस्थितियों में भी भरोसेमंद साबित हो सकती है।

प्रलय की सफलता को अगर व्यापक संदर्भ में देखा जाए, तो यह डीआरडीओ की उन निरंतर उपलब्धियों की कड़ी है, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में भारत को मिसाइल तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया है। डीआरडीओ यानी रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन की स्थापना का मूल उद्देश्य ही देश को रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भर बनाना था। समय के साथ इस संगठन ने न सिर्फ मिसाइलें विकसित कीं, बल्कि रडार, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम, ड्रोन, एयर डिफेंस और कई अन्य अत्याधुनिक तकनीकों में भी उल्लेखनीय प्रगति की। हाल के वर्षों में डीआरडीओ ने अग्नि श्रृंखला की मिसाइलों के कई सफल परीक्षण किए हैं। अग्नि-5 जैसी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल ने भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया है, जिनके पास लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता है। अग्नि-प्राइम के परीक्षणों ने यह दिखाया कि कैसे नई पीढ़ी की मिसाइलें ज्यादा हल्की, ज्यादा सटीक और ज्यादा भरोसेमंद बन रही हैं। इसी तरह पृथ्वी मिसाइल प्रणाली, जिसे भारत की पहली स्वदेशी बैलिस्टिक मिसाइलों में गिना जाता है, ने समय-समय पर अपनी उपयोगिता साबित की है। क्रूज मिसाइलों की बात करें तो ब्रह्मोस भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। हवा, जमीन और समुद्र से दागी जा सकने वाली यह सुपरसोनिक मिसाइल दुश्मन की रक्षा प्रणाली के लिए बड़ी चुनौती मानी जाती है। हाल ही में ब्रह्मोस के विस्तारित रेंज संस्करणों के परीक्षण और उनकी तैनाती ने भारत की स्ट्राइक क्षमता को और मजबूत किया है। इसके अलावा, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम और उसकी उन्नत किस्मों ने देश की वायु रक्षा को एक नया कवच दिया है।

डीआरडीओ की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि एंटी-सैटेलाइट मिसाइल परीक्षण रहा, जिसने यह साबित किया कि भारत अंतरिक्ष में भी अपनी सुरक्षा क्षमताओं को लेकर सजग है। यह परीक्षण न सिर्फ तकनीकी दृष्टि से चुनौतीपूर्ण था, बल्कि रणनीतिक संदेश देने वाला भी था। इसी तरह हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल के परीक्षणों ने भविष्य की युद्ध तकनीक की दिशा में भारत की तैयारी को दिखाया। प्रलय मिसाइल इन सभी प्रयासों का एक स्वाभाविक विस्तार है। यह मिसाइल उस श्रेणी में आती है, जहां तेज प्रतिक्रिया, सटीक निशाना और भारी वारहेड की जरूरत होती है। सीमित समय में दुश्मन के महत्वपूर्ण ठिकानों को निष्क्रिय करने की क्षमता आधुनिक युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाती है। प्रलय इस जरूरत को पूरी करती है और भारत को क्षेत्रीय स्तर पर एक मजबूत सामरिक बढ़त देती है। ओडिशा के तट पर हुए परीक्षण की एक और अहम बात यह थी कि इसमें भारतीय सेना और वायुसेना के अधिकारी मौके पर मौजूद थे। इससे फीडबैक का एक मजबूत तंत्र बनता है, जहां ऑपरेशनल जरूरतों के हिसाब से तकनीक को और बेहतर किया जा सकता है। चांदीपुर परीक्षण रेंज लंबे समय से भारत की मिसाइल परीक्षण गतिविधियों का केंद्र रही है। यहां मौजूद आधुनिक रडार, ट्रैकिंग सिस्टम और समुद्री निगरानी साधन हर परीक्षण को बेहद बारीकी से मॉनिटर करते हैं। प्रलय के परीक्षण के दौरान भी उड़ान के हर चरण पर नजर रखी गई और बाद में यह स्पष्ट हुआ कि सभी सिस्टम ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया। यह किसी भी मिसाइल कार्यक्रम के लिए सबसे बड़ी सफलता होती है, क्योंकि एक छोटी सी चूक भी बड़े जोखिम में बदल सकती है। प्रलय की सफलता से यह भी साफ है कि डीआरडीओ और भारतीय उद्योग जगत के बीच सहयोग अब एक नए स्तर पर पहुंच गया है। रक्षा उत्पादन में निजी कंपनियों की भागीदारी ने न सिर्फ तकनीकी विकास को गति दी है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को भी मजबूती दी है। जब देश के भीतर विकसित तकनीकें सेना की जरूरतों को पूरा करती हैं, तो इसका सीधा असर रणनीतिक स्वतंत्रता पर पड़ता है। इस पूरी तस्वीर को देखें तो प्रलय मिसाइल सिर्फ एक हथियार नहीं, बल्कि भारत की बदलती रक्षा सोच का प्रतीक है। डीआरडीओ की लगातार सफलताओं से यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहा, बल्कि रक्षा तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने वाला और समाधान देने वाला देश बन रहा है।

दुश्मन देशों के लिए यह संदेश साफ है कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की ढिलाई बरतने वाला नहीं है। प्रलय जैसी मिसाइलें यह साबित करती हैं कि अगर जरूरत पड़ी, तो भारत तेजी से और सटीक जवाब देने में सक्षम है। यही कारण है कि इस परीक्षण के बाद दुश्मन देशों की भृकुटियां तनना स्वाभाविक है। यह सिर्फ एक मिसाइल का सफल परीक्षण नहीं, बल्कि भारत की सामरिक दृढ़ता और तकनीकी क्षमता का सार्वजनिक प्रदर्शन है। आने वाले समय में जब प्रलय मिसाइल आधिकारिक तौर पर सेना में शामिल होगी, तो यह भारतीय सशस्त्र बलों की मारक क्षमता को एक नई धार देगी। डीआरडीओ की यह सफलता एक बार फिर साबित करती है कि देश के वैज्ञानिक, इंजीनियर और सैनिक मिलकर भारत की सुरक्षा को मजबूत बनाने में लगातार जुटे हुए हैं। साल के आखिरी दिन हुआ यह परीक्षण नए साल के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि भारत आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और आईएनएस वाघशीर की ऐतिहासिक यात्रा

-योगेश कुमार गोयल-

भारत के सैन्य इतिहास में कुछ क्षण केवल घटनाएं नहीं, राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक बन जाते हैं। पिछले दिनों जब भारत की सर्वोच्च कमांडर और राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय नौसेना की अत्याधुनिक पनडुब्बी 'आईएनएस वाघशीर' पर सवार होकर समुद्र की गहराइयों में प्रवेश किया, वह क्षण भारत के सैन्य इतिहास में एक प्रतीकात्मक मील का पत्थर बन गया। उनकी यह यात्रा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं थी बल्कि यह भारत की समुद्री शक्ति, रक्षा आत्मनिर्भरता, महिला नेतृत्व और हिंद महासागर क्षेत्र में देश की निर्णायक भूमिका का सशक्त प्रदर्शन थी। राष्ट्रपति मुर्मु न केवल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने पनडुब्बी यात्रा की बल्कि इसका गहरा प्रतीकात्मक अर्थ यह है कि भारत अब तकनीकी, रणनीतिक और नेतृत्व, तीनों स्तरों पर नया आत्मविश्वास अर्जित कर चुका है।

लगभग 19 वर्ष पहले फरवरी 2006 में भारत के राष्ट्रपति 'मिसाइल मैन' डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने आईएनएस सिंधु रक्षक में समुद्री यात्रा की थी। तब से लेकर अब तक भारत का रक्षा परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। जो राष्ट्र तब विदेशी प्रणालियों पर निर्भर था, वह आज आत्मनिर्भरता और उन्नत तकनीकी क्षमता के साथ समुद्र की गहराइयों में अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। राष्ट्रपति मुर्मु की यह यात्रा इस ऐतिहासिक निरंतरता को नया आयाम देती है। यह केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं बल्कि भारतीय राष्ट्रपति की एक सक्रिय, संलग्न और रणनीतिक भूमिका का प्रतीक है, जहां सर्वोच्च नेतृत्व स्वयं उन चुनौतियों और अवसरों को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करता है, जिनसे हमारे सशस्त्र बल प्रतिदिन जूझते हैं।

'आईएनएस वाघशीर' प्रोजेक्ट-75 स्कॉर्पीन कार्यक्रम की छठी और अंतिम पनडुब्बी है, जो भारतीय नौसेना में जनवरी 2025 में शामिल हुई थी। इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने फ्रांस की कंपनी 'नेवल ग्रुप' के तकनीकी सहयोग से किया। यह सहयोग अब केवल तकनीक हस्तांतरण का मॉडल नहीं रहा बल्कि 'मेक इन इंडिया' की वास्तविक सफलता का उदाहरण बन चुका है। भारत आज न केवल जटिल नौसेना प्रणालियों को जोड़ने में सक्षम है बल्कि उनमें नवाचार करने की दिशा में भी अग्रसर है। तकनीकी रूप से वाघशीर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ डीजल-इलैक्ट्रिक पनडुब्बियों में गिनी जाती है। लगभग 67 मीटर लंबी और 1, 565 टन वजनी यह पनडुब्बी 350 मीटर तक गोता लगाने और पानी के नीचे 37 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने में सक्षम है। आईएनएस वाघशीर का उन्नत स्टील्थ डिजाइन इसे दुश्मन के सोनार और रडार से लगभग अदृश्य बनाता है। वायर-गाइडेड टॉरपीडो और एंटी-शिप मिसाइलें इसे दुश्मन के किसी भी युद्धपोत को ध्वस्त करने की क्षमता देती हैं। उच्च-संवेदनशील सोनार और रडार प्रणालियां इस पनडुब्बी को खुफिया जानकारी, निगरानी और विशेष अभियानों के लिए आदर्श प्लेटफॉर्म बनाती हैं। 50 दिनों तक समुद्र में तैनाती की क्षमता से यह लंबी अवधि के मिशन संचालित कर सकती है। सबसे भविष्यवादी तत्व इसकी मॉड्युलर संरचना है, जो इसे आने वाले वर्षों में 'एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन' प्रणाली से लैस करने की सुविधा प्रदान करेगी। इस तकनीक के जोड़ने के बाद वाघशीर को सतह पर आए बिना लंबे समय तक गहराइयों में तैनात किया जा सकेगा, जिससे इसकी स्टील्थ और मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मु की यह यात्रा कारवार स्थित आईएनएस कदंब नौसैनिक अड्डे से प्रारंभ हुई, जो भारत के समुद्री सामर्थ्य का केंद्र बन चुका है। 'प्रोजेक्ट सीबर्ड' के तहत विकसित यह अड्डा 45 वर्ग किलोमीटर में फैला एक विशाल सामरिक बेस है। पूर्ण निर्माण के बाद यह स्वेज नहर के पूर्व में पृथ्वी का सबसे बड़ा नौसैनिक अड्डा होगा, जहां 50 से अधिक युद्धपोतों को रखने की क्षमता होगी। यह आधार केवल एक सैन्य सुविधा नहीं बल्कि भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टि का प्रतीक है। यहां से भारत न केवल अपने समुद्री तट की सुरक्षा करता है बल्कि पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र पर सामरिक निगरानी भी रखता है। कारवार का विकास हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की निर्णायक भूमिका के अनुरूप है, जहां व्यापारिक मार्ग, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक नियंत्रण सब कुछ समुद्र पर निर्भर है। राष्ट्रपति की यात्रा का सबसे भावनात्मक क्षण वह रहा, जब उन्होंने पनडुब्बी में तैनात नौसैनिकों से संवाद किया। पनडुब्बी सेवा, सामान्य नौसैनिक जीवन से कहीं अधिक कठिन होती है, जहां सीमित स्थान, पूर्ण गोपनीयता, महीनों तक अंधकार और हर क्षण अप्रत्याशित खतरे रहते हैं। ऐसे वातावरण में राष्ट्रपति का स्वयं आकर सैनिकों का अभिवादन करना उनके मनोबल को अतुलनीय शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने नौसैनिकों के अनुशासन, तकनीकी दक्षता और त्याग की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'भारतीय सैन्य शक्ति का असली आधार उसकी मानव शक्ति है।

यह कथन भारत की उस सैन्य नीति को उजागर करता है, जो आधुनिक हथियारों जितनी ही ऊर्जा अपने जवानों की प्रतिबद्धता में देखती है। एक आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाली महिला, जो देश की सर्वोच्च संवैधानिक पद पर हैं, उनका अत्याधुनिक पनडुब्बी में उतरना केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं बल्कि सांस्कृतिक परिवर्तन का प्रतीक है। भारत की सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। 2014 में जहां महिला अधिकारियों की संख्या लगभग 3, 000 थी, वहीं आज यह 11, 000 से अधिक हो चुकी है। 2020 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय के बाद 500 से अधिक महिला अधिकारियों को स्थायी आयोग दिया गया। 2022 से राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिला कैडेट्स के प्रवेश से नए युग की शुरुआत हुई। राष्ट्रपति मुर्मु का सुखोई-30 एमकेआई, राफेल और अब पनडुब्बी में तीनों सशस्त्र शाखाओं का प्रत्यक्ष अनुभव, यह केवल नारी सशक्तिकरण का प्रतीक नहीं बल्कि यह संदेश भी है कि 21वीं सदी का भारत नेतृत्व को लिंग की सीमाओं से परिभाषित नहीं करता। उनकी यह यात्रा समाज की उस प्रेरणा का स्वर बन गई है, जो भारत की बेटियों को कहती है कि 'समुद्र की गहराइयां भी तुम्हारे साहस से अपरिचित नहीं हैं।' प्रोजेक्ट-75, जिसने वाघशीर जैसी पनडुब्बियों को जन्म दिया, भारत की तकनीकी स्वायत्तता की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है। इसका उद्देश्य केवल छह पनडुब्बियां बनाना नहीं बल्कि भारत को पनडुब्बी निर्माण और डिजाइन की घरेलू क्षमता देना था। भारत अब अगले चरण 'प्रोजेक्ट-75 (आई)' की ओर बढ़ रहा है, जिसमें पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और निर्माण पर ध्यान रहेगा। इससे भारत न केवल अपनी रक्षा जरूरतें पूरा करेगा बल्कि भविष्य में अन्य देशों को भी नौसैनिक प्लेटफॉर्म निर्यात करने में सक्षम होगा। यह मार्ग 'आत्मनिर्भर भारत' की उस व्यापक सोच से जुड़ा है, जहां रक्षा उत्पादन को आर्थिक विकास, कूटनीति और तकनीकी नवाचार से जोड़ा गया है।

पूर्वजन्मों के कर्मों का हिसाब

पूर्वजन्मों के शुभ-अशुभ कर्मों का प्रायश्चित है विषयोग। ज्योतिष ग्रंथों के अनुसार किसी भी जातक की जन्मकुंडली में अगर शनि और चंद्रमा एक साथ बैठे हों तो महान शुभ-अशुभ फल देने वाला विषयोग बनता है। विषयोग मानव द्वारा उसके पूर्व के जन्मों में नारी के प्रति किए गए कठोर एवं अशोभनीय आचरण की ओर इशारा करता है। इसे ज्योतिष शास्त्र के सर्वाधिक प्रभावशाली योगों में गिना जाता है, जो जन्मकाल से आरंभ होकर मृत्युर्पयत अपने अशुभ प्रभाव देता है। इस योग के समय जन्म लेने वाला जातक अपने ही मित्रों व संबंधियों द्वारा ठगा जाता है। ऐसे जातक किसी भी व्यक्ति की मदद करते हैं तो उनसे अपयश मिलना तय रहता है।

ज्योतिष के महानतम ग्रंथों-नारद पुराण, जातक भरणम, बृहद्जातक, फलदीपिका आदि में इस योग की अशुभता का वृहद वर्णन मिलता है। कुंडली में शनि एवं चंद्रमा की स्थिति के अनुसार कुछ राहत की उम्मीद की जा सकती है। कुंडली में जिस भाव में भी विषयोग बनता है, प्राणी को उस भाव से ही संबंधित कष्ट मिलते हैं अथवा उस भाव से संबंधित कारकत्व पदार्थों का अभाव रहता है। फलित वाचन के समय ऐसा पाया भी गया है। इसका सूक्ष्म विवेचन अष्टक वर्ग के द्रेष्काण में गहनता से किया जा सकता है।

जातक पूर्व के जन्मों में जिसस्त्री को कष्ट देता है, पुनः वही स्त्री प्रतिशोध लेने के लिए विषयोग वाले प्राणी की मां के रूप में आती है। मां की कुंडली में शुभत्व प्रबल होने पर वह पुत्र की गाढ़ी कमाई का धन सेहत, विलासिता एवं अन्य संतानों पर व्यय कराती है और दुख, दरिद्रता का कारण बनते हुए धन का नाश कराती है तथा दीर्घकाल तक जीवित रहती है। यहां तक कि मृत्यु के समय भी वह अन्य संतानों की देखभाल करने का वचन भी ले लेती है। अगर पुत्र की जन्मकुंडली का शुभत्व प्रबल हो तो जन्म के बाद मां की मृत्यु हो जाती है, तभी इस योग को मातृहंता योग भी कहा जाता है अथवा नवजात की शीघ्र मृत्यु हो जाती है। शनि के चंद्रमा से अधिक अंश या अगली राशि में होने पर जातक अपयश का भागी होता है।

आज का इतिहास

1725 - लंदन में कॉली सिब्बेर के नाटक ‘सीज़र इन मिस्र’ का प्रीमियर हुआ।
1762 - ब्रिटेन ने स्पेन और नेपल्स के खिलाफ सात साल के युद्ध में प्रवेश किया।
1798 - प्रिंस ऑफ वलाचिया के रूप में निवेश करने के बाद, कॉन्स्टेंटाइन हैंगर सिंहासन संभालने के लिए बुखारेस्ट पहुंचे।
1809 - नेत्रहीनों के लिये ब्रेल लिपि का आविष्कार करने वाले प्रसिद्ध व्यक्ति लुई ब्रेल का जन्म हुआ।
1810 - ऑस्ट्रेलियाई मुहर शिकारी फ्रेडरिक हॉसलबोरो ने सुबरारटिक में कैम्पबेल द्वीप की खोज की।
1825 - दो सिसिली के राजा फर्डिनेंड-I को उनके बेटे फ्रांसिस-I ने दो सिसिली का उत्तराधिकारी बना दिया।
1828 - जीन बैप्टिस्ट गै को कोम्टे डे विल्लेले के स्थान पर फ्रांस के प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया।
1847 - अमेरिकी बंदूक आविष्कारक सैमुअल कोल्ट ने टेक्सास रेंजर्स को अपनी पहली बड़ी रिवाल्वर की बिक्री की।
1854 - कैप्टन विलियम मैकडॉनल्ड ने मैकडॉनल्ड द्वीप की खोज की।
1883 - लाइफ पत्रिका को प्रथम बार लॉस एंजिल्स में प्रकाशित किया गया।
1884 - फेबियन सोसायटी लंदन में स्थापित की गयी।
1912 - बॉय स्काउट एसोसिएशन को शाही चार्टर द्वारा तत्कालीन ब्रिटिश साम्राज्य में शामिल किया गया था।
1944 - जर्मन रेडियो ने युद्ध के उद्देश्यों के लिए स्कूल के बच्चों को जुटाने के लिए एक डिक्री का प्रचार किया।
1951 - कोरियाई युद्ध-चीनी और उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सियोल पर कब्जा कर लिया।
1962 - अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में पहली स्वचालित (मानवरहित) मेट्रो ट्रेन चली।
1972 - गुलाब हेइलब्रोन लंदन के ओल्ड बेली में पहली महिला न्यायाधीश बनी।

गिग-वर्कर्सः डिजिटल सुविधा की चकाचौंध में पसीने का अंधेरा

-ललित गर्ग-

ऑनलाइन बाज़ार और त्वरित सेवाओं के इस दौर में गिग-वर्कर्स शहरी जीवन-व्यवस्था की वह अदृश्य रीढ़ बन चुके हैं, जिनके बिना 'दस मिनट में डिलीवरी' और 'एक क्लिक पर सुविधा' की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बाज़ार आने-जाने के झंझट से लोगों को मुक्त करने वाले ये युवा हर मौसम, हर समय और हर जोखिम में घर-घर सामान पहुँचाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम पर डिजिटल अर्थव्यवस्था की ऊँची इमारत खड़ी है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, शोषण और उपेक्षा झेल रहे हैं। नये साल की पूर्व संध्या पर गिग-वर्कर्स द्वारा की गई हड़ताल ने भले ही देशव्यापी आपूर्ति-श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उनकी बदहाल कार्य-परिस्थितियों की ओर देश का ध्यान अवश्य खींचा है। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी।

अपना व परिवार का पोषण करने वाले इन युवा गिग-वर्कर्स को अकसर सरपट दौड़ती मोटरसाइकिलों पर, भारी थैलों के साथ ऊँची इमारतों की सीढ़ियाँ चढ़ते देखा जा सकता है। समय सीमा का दबाव इतना तीव्र होता है कि ज़रा-सी देरी पर आर्थिक दंड झेलना पड़ता है। दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी-किसी भी स्थिति में उनकी आय पर सीधा असर पड़ता है। ग्राहकों का व्यवहार भी प्रायः असंवेदनशील होता है। देर होने पर झिड़कियाँ, सामान में कमी निकालकर अपमान, कभी-कभी हिंसक व्यवहार और रेटिंग के ज़रिये भविष्य की कमाई पर प्रहार-यह सब इनके रोज़मर्रा का हिस्सा है। इसके बावजूद औसतन 12-14 घंटे काम करने के बाद भी सात-आठ सौ रुपये की आय और वह भी बिना समुचित बीमा या सामाजिक सुरक्षा के एक गहरे शोषण की ओर इशारा करती है।

गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो पारंपरिक नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र रूप से छोटे-छोटे काम (गिग्स) करते हैं, जो अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे ऊबर, स्वीग्गी, जोमाटोज या अन्य ऐप्स के ज़रिए मिलते हैं और इन्हें प्रति कार्य या प्रोजेक्ट के हिसाब से भुगतान मिलता है, न कि नियमित वेतन. इन श्रमिकों के पास कोई स्थायी रोजगार अनुबंध नहीं होता और वे खुद के बॉस की तरह काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा (जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन) जैसे लाभ नहीं मिलते। गिग वर्कर्स की चुनौतियाँ एवं मजबूरियां ज्यादा है, आय कम। आय की अनिश्चितता, सामाजिक सुरक्षा लाभों (जैसे बीमारी, दुर्घटना, पेंशन) का अभाव, श्रम अधिक-भुगतान कम, कामकाजी घंटों और मजदूरी को लेकर अक्सर विवाद। गिग वर्कर्स गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं, जहाँ वे अपनी मर्ज़ी से छोटे-छोटे, अस्थायी काम करके पैसे कमाते हैं, जो पारंपरिक 9-से-5 की नौकरी से अलग होता है। गिग वर्कर का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो आमतौर पर सेवा क्षेत्र में एक स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में अस्थायी काम करता है जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों के बाहर काम करता है या कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और ऐसी गतिविधियों से कमाई करता है।

निस्संदेह, गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन की अपनी क्षमता दिखाई है। आज भारत में गिग-वर्कर्स की संख्या सवा करोड़ से अधिक है और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक पहुँच सकती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बेरोजगारी के बढ़ते दौर में पढ़े-लिखे युवा इस व्यवस्था में 'विकल्प' के रूप में नहीं, बल्कि 'मजबूरी' में प्रवेश कर रहे हैं। जिस देश को युवाओं का देश कहा जाता है, वहाँ शिक्षित युवाओं का अस्थायी, असुरक्षित और सम्मानहीन श्रम-व्यवस्था में फँसना न केवल चिंताजनक, बल्कि शर्मनाक भी है। यह स्थिति बताती है कि हमारी विकास-नीतियाँ रोजगार की गुणवत्ता पर नहीं, केवल संख्या पर केंद्रित हैं। गिग-वर्कर्स की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि कंपनियाँ उनसे पूरा काम लेती हैं, लेकिन उन्हें पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध के दायरे में स्वीकार नहीं करतीं। उन्हें 'स्वतंत्र कामगार' कहकर नियुक्ति, स्थायित्व, बीमा और न्यूनतम वेतन जैसी जिम्मेदारियों से बचा जाता है। हायर एंड फायर की नीति, एल्गोरिदम आधारित नियंत्रण, रेटिंग सिस्टम और प्रोत्साहन के नाम पर लालच-ये सब मिलकर एक ऐसी अदृश्य जकड़न पैदा करते हैं, जिसमें श्रमिक स्वतंत्र दिखता है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नियंत्रित होता है। हड़ताल के दौरान भी अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर या ऑर्डर बढ़ाकर श्रमिक एकता को कमजोर कर दिया जाता है। 31 दिसंबर को एक प्रमुख खाद्य वितरण कंपनी द्वारा रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किया जाना इसी विडंबना को उजागर करता है। हाल के दिनों में संसद में भी गिग-वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा है। सांसद राघव चड्ढा और मनोज कुमार झा जैसे नेताओं ने इस वर्ग की दयनीय स्थिति पर ध्यान दिलाया है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में जब तक इन श्रमिकों की आवाज़ शामिल नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे रहेंगे।

भारत सरकार द्वारा हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान, आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएँ एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान वास्तव में गिग-वर्कर्स के जीवन में ठोस बदलाव ला पाएँगे? या फिर ये केवल काग़ज़ी सुधार बनकर रह जाएँगे? जब तक न्यूनतम आय, कार्य-घंटों की सीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होती, तब तक इन सुधारों को परिवर्तनकारी नहीं कहा जा सकता।

31 दिसंबर की हड़ताल भले ही पूरी तरह सफल न रही हो, लेकिन वह नैतिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह जायज़ थी। यह हड़ताल व्यवस्था को बाधित करने से अधिक, व्यवस्था के भीतर छिपे अन्याय, शोषण की वृत्ति एवं दोगलेपन को उजागर करने का प्रयास थी। गिग-वर्कर्स ने यह संदेश दिया कि वे केवल 'डिलीवरी बॉय' नहीं, बल्कि श्रमशील नागरिक हैं, जिनके अधिकारों की अनदेखी अब और नहीं की जा सकती। निश्चित ही डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य गिग-वर्कर्स के बिना संभव नहीं है। इसलिए यह ज़रूरी है कि नीति-निर्माता, कंपनियाँ और उपभोक्ता-तीनों अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करें। कंपनियों को लाभ के साथ जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी होगी, सरकार को कानूनों का सख्त क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा और उपभोक्ताओं को सुविधा के साथ संवेदनशीलता भी अपनानी होगी। यदि हम गिग-वर्कर्स को केवल सुविधा का साधन मानते रहे और उन्हें सम्मान, सुरक्षा व स्थायित्व नहीं दिया, तो यह केवल श्रमिकों का नहीं, बल्कि हमारी विकास-कल्पना का भी संकट होगा। डिजिटल भारत की असली परीक्षा यही है कि वह अपने सबसे तेज़ दौड़ने वाले श्रमिकों को कितना सुरक्षित और सम्मानित जीवन दे पाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

सामाजिक सद्भाव भारतीय समाज का स्वभाव है : डॉ. मोहन भागवत

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा- संघ और शिव एक समान हैं, भोपाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की हुई सामाजिक सद्भाव बैठक

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि सामाजिक सद्भाव कोई नई अवधारणा नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज का स्वभाव रहा है। समाज में सज्जन शक्ति का जागरण, आचरण में पंच परिवर्तन और निरंतर सद्भावना संवाद आज की अनिवार्य आवश्यकता है। सरसंघचालक डॉ. भागवत शनिवार को अंतिम दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित सामाजिक सद्भाव बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मध्यभारत प्रान्त के 16 शासकीय जिलों के समाज के विभिन्न वर्गों और संगठनों के प्रतिनिधियों की सहभागिता इस बैठक की विशेषता रही। दरअसल, यह बैठक दो सत्रों में आयोजित की गई थी । प्रथम सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ। मंच पर सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा और मध्यभारत प्रांत संघचालक अशोक पांडेय उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरसंघचालक डॉ. भागवत ने स्पष्ट किया कि ₹समाज शब्द का अर्थ ही समान गंतव्य की ओर बढ़ने वाला समूह है। भारतीय समाज की कल्पना सदैव ऐसी रही है, जिसमें जीवन भौतिक और आध्यात्मिक दोनों दृष्टियों से सुखी हो। हमारे ऋषि-मुनियों ने यह समझा कि अस्तित्व एक है, केवल देखने की दृष्टि अलग-अलग है। उनकी तपस्या और साधना से ही राष्ट्र का निर्माण हुआ और वही हमारी सांस्कृतिक नींव है।

संघ प्रमुख ने कहा कि कानून समाज को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन समाज को चलाने और जोड़कर रखने का कार्य सद्भावना ही करती है। विविधता के बावजूद एकता ही हमारी पहचान है। बाहरी रूप से हम अलग दिख सकते हैं, लेकिन राष्ट्र, धर्म और संस्कृति के स्तर पर हम सभी एक हैं। इसी विविधता में एकता को स्वीकार करने वाला समाज हिंदू समाज है। उन्होंने कहा कि हिंदू कोई संज्ञा नहीं, बल्कि एक स्वभाव है, जो मत, पूजा पद्धति या जीवनशैली के आधार पर झगड़ा नहीं करता। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में भ्रम फैलाकर जनजातीय और अन्य वर्गों को यह कहकर तोड़ने का प्रयास किया गया कि वे अलग हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हजारों वर्षों से अखंड भारत में रहने वाले सभी लोगों का डीएनए एक है। संकट के समय ही नहीं, बल्कि हर समय सद्भावना बनाए रखना आवश्यक है। मिलना, संवाद करना और एक-दूसरे के कार्यों को जानना ही सद्भावना की पहली शर्त है।₹ उन्होंने कहा कि समर्थ को दुर्बल की सहायता करनी चाहिए।

पहले सत्र में पंडित प्रदीप मिश्रा ने अपने आशीर्वचन में कहा कि सभी समाज अपने-अपने स्तर पर कार्य कर रहे हैं, लेकिन यह प्रश्न भी आवश्यक है कि हमने राष्ट्र के लिए क्या किया और राष्ट्र को क्या दिया। उन्होंने कहा कि संघ और शिव के भाव में अद्भुत समानता है। जैसे शिव ने समस्त सृष्टि के लिए विष पिया, वैसे ही संघ प्रतिदिन आरोपों का विष पीकर भी संयम और राष्ट्रहित में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि जन्म चाहे किसी भी जाति में हुआ हो, पहचान अंततः हिंदू, सनातनी और भारतीय की ही है। प्रत्येक भारतीय में राष्ट्रोत्थान और समाजोत्थान की अद्भुत क्षमता है।

धर्मांतरण को उन्होंने केवल वर्तमान पीढ़ी ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभावित करने वाला गंभीर षड्यंत्र बताया और इसके प्रति समाज को सजग रहने का आह्वान किया। पंडित मिश्रा ने 'ग्रीन महाशिवरात्रि' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि घर-घर मिट्टी के शिवलिंग की पूजा सामाजिक समरसता का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव बैठक का मूल उद्देश्य यही है कि हम अपने साथ-साथ अपने पड़ोसी और समाज को भी लेकर आगे बढ़ें। जैसे लंगर में जाति नहीं पूछी जाती, वैसे ही राष्ट्र निर्माण के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए।

एक समाज, एक राष्ट्र की दिशा में सार्थक पहल

सामाजिक सद्भाव बैठक का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि समाज अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए स्वयं आगे आएगा और सरकार की प्रतीक्षा किए बिना सामूहिक प्रयास करेगा। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यह बैठक किसी एक संगठन की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण हिंदू समाज की है। उद्देश्य एक ही है कि पूरा समाज मिलकर पूरे समाज को बलशाली बनाए और एक समाज, एक राष्ट्र के रूप में दृढ़ता से खड़ा रहे।

समाजों के कार्यों का प्रतिवेदन : सद्भाव का जीवंत स्वरूप

कार्यक्रम के प्रारंभ में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तेली साहू समाज की ओर से मेवा लाल साहू ने बताया कि समाज 1911 से घर वापसी और आर्थिक उन्नयन के लिए कार्य कर रहा है। जैन मिलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र जैन ने पर्यावरण संरक्षण, गौशाला संचालन, स्वास्थ्य सेवा, रक्तदान और शिक्षा के क्षेत्र में चल रहे कार्यों की जानकारी दी। मीणा समाज सेवा संगठन के रामनिवास रावत ने प्रकृति संरक्षण, पौधारोपण और पर्यावरण जागरूकता के प्रयासों का उल्लेख किया। अखिल भारतीय यादव महासभा के कृष्णा संघर्ष यादव ने शिक्षा, स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और पर्यावरण संरक्षण में किए जा रहे प्रयासों को साझा किया। सोंधिया राजपूत समाज के प्रताप सिंह सिसोदिया ने फिजूलखर्ची रोकने, सामूहिक विवाह, शिक्षा, संस्कार और जैविक खेती को बढ़ावा देने की जानकारी दी। स्पोर्ट्स एवं शास्त्रीय नाट्य के क्षेत्र से जुड़े डॉ. केशव पांडे ने 55 देशों में भारतीय कला संस्कृति के प्रचार और नदी पुनर्जीवन जैसे कार्यों का प्रतिवेदन दिया। रघुवंशी समाज के अमित रघुवंशी ने शिक्षा, आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण के प्रयासों की जानकारी दी। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के सुनील श्रीवास्तव ने वैवाहिक परिचय सम्मेलन, रोजगार मेले और मंदिर जोड़ो अभियान का उल्लेख किया। जाटव समाज के रामावतार मौर्य ने समाज में नवचेतना, धर्मांतरण रोकने और सामाजिक अधिकारों के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। माहेश्वरी समाज की रंजना बहेती ने 'बेटी ब्याहो और बहू पढ़ाओ' जैसे अभियानों और महिला आत्मरक्षा कार्यक्रमों का उल्लेख किया। राजपूत महापंचायत के अभय परमार ने सामाजिक आयोजनों और शस्त्र लाइसेंस संबंधी शिविरों की जानकारी दी। भार्गव समाज के मयंक भार्गव ने शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सहायता और गोंडी भाषा संरक्षण के प्रयासों को साझा किया।

राजौरी में नियंत्रण रेखा के पास पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित

- 'रेडियो संगम' से सीमावर्ती इलाकों को मिलेगी नई आवाज

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के समीप पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित किया गया है। इस पहल से सीमावर्ती क्षेत्रों में सूचना के प्रभावी प्रसार को मजबूती मिलेगी और स्थानीय लोगों को अपनी बात रखने के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध होगा। इस रेडियो स्टेशन का नाम 'रेडियो संगम' रखा गया है।

अधिकारियों के अनुसार, भारतीय सेना ने नागरिक प्रशासन और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से एलओसी से लगभग एक किलोमीटर दूर केरी गांव में इस सामुदायिक रेडियो स्टेशन की स्थापना की है। यह नियंत्रण रेखा के पास स्थापित किया गया पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन है, जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण और रणनीतिक पहल मानी जा रही है। रेडियो संगम की स्थापना का मुख्य उद्देश्य सीमा पार से फैलने वाली गलत सूचनाओं और दुष्प्रचार का प्रभावी तरीके से मुकाबला करना है। यह स्टेशन प्रामाणिक और विश्वसनीय जानकारी साझा करेगा, साथ ही स्थानीय मुद्दों, जनसमस्याओं और सामाजिक विषयों पर संवाद को बढ़ावा देगा। अधिकारियों ने बताया कि इसकी रणनीतिक स्थिति के कारण 'रेडियो संगम' का प्रसारण नियंत्रण रेखा के पार के कुछ क्षेत्रों में भी सुना जा सकता है। रेडियो स्टेशन का उद्घाटन राजौरी के उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने नागरिक समाज के प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय लोगों की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि रेडियो संगम सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी को प्रोत्साहित करेगा। यह स्टेशन स्थानीय लोगों की आवाज को बुलंद करने, उनकी समस्याओं को सामने लाने और प्रशासन व सीमावर्ती निवासियों के बीच संवाद को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि यह पहल न केवल सूचना के आदान-प्रदान को बेहतर बनाएगी, बल्कि नियंत्रण रेखा के पार से होने वाले दुष्प्रचार के खिलाफ भी एक प्रभावी माध्यम साबित होगी। कुल मिलाकर, 'रेडियो संगम' सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए सूचना, जागरूकता और विश्वास का नया केंद्र बनकर उभरेगा।

नौशेरा, पुंछ और राजौरी क्षेत्र भाजपा के लिए रणनीतिक रूप से अहम क्षेत्र: सत शर्मा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सत शर्मा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा और भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने शनिवार को नौशेरा, पुंछ और राजौरी क्षेत्रों के पार्टी नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक को संबोधित किया। बैठक का उद्देश्य सीमावर्ती एवं पहाड़ी जिलों में पार्टी संगठन की स्थिति की समीक्षा और आगामी रणनीति को सुदृढ़ करना रहा। बैठक में जम्मू-कश्मीर भाजपा महासचिव गोपाल महाजन, सांसद इंजीनियर गुलाम अली खटाना, जिला राजौरी प्रभारी मुनीश शर्मा, जिला नौशेरा प्रभारी दलजीत सिंह चिब, जिला अध्यक्ष देव राज शर्मा, जिला अध्यक्ष गुरदीप सिंह खालसा, पूर्व एमएलसी एडवोकेट विभोध गुप्ता, एसटी मोर्चा अध्यक्ष चौधरी अब्दुल गनी, डीडीसी सदस्य इकबाल मलिक, वरिष्ठ नेता एडवोकेट मुर्तजा खान सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जयपुर में आठ जनवरी से होगी सेना दिवस परेड

जयपुर। जयपुर में आठ जनवरी से होने वाली सेना दिवस परेड की तैयारियां जोरों पर हैं और पुलिस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा समन्वित कार्य योजना के तहत व्यापक बंदोबस्त भी किए गए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आठ से 15 जनवरी तक होने वाली सेना दिवस परेड–2026 की तैयारियों को लेकर आज अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक हुई। सावंत ने बताया कि यह आयोजन न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण एवं ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में यह पहली बार है जब सेना दिवस परेड आमजन के बीच आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार द्वारा इस आयोजन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि आमजन भारतीय सेना के शौर्य, अनुशासन एवं गौरव का निकट से अनुभव कर सकें।'' जिलाधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने दर्शकों के बैठने की व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्गों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने सभी शैक्षणिक संस्थानों एवं संगठनों से आग्रह किया कि वे परेड देखने आने वाले प्रतिभागियों की संख्या एवं विवरण सोमवार तक उपलब्ध कराएं ताकि व्यवस्था और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जा सके।

ममता सरकार पूरी तरह से भ्रष्ट, बाढ़ पीड़ितों के नाम पर की लूट : भाजपा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में बाढ़ पीड़ितों को दिए जाने वाले मुआवजा देने में घोटाले पर भारतीय जनता पार्टी ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। भाजपा ने ममता सरकार पर वार करते हुए उन्हें पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई बताया।

शनिवार को यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रवक्ता केके शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल की ममता सरकार द्वारा मालदा जिले में बाढ़ पीड़ितों को जो मुआवजे दिया गया, उसमें घोटाले के कई आवेदन हाई कोर्ट में दाखिल हुए थे। हाई कोर्ट ने सीएजी से उसकी जांच कर रिपोर्ट पेश करने को कहा और जो रिपोर्ट सीएजी ने हाई कोर्ट में रखी, उसके कुछ तथ्य समाचार पत्र में बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि उन तथ्यों के आधार पर ममता सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई है।

बाढ़ पीड़ितों के नाम पर जिस तरह से लूट हुई, बंदरबांट की गई, उसमें लगभग 100 करोड़ का भ्रष्टाचार सामने आया है, जो बहुत ही शर्मनाक है। केके शर्मा ने कहा कि एक ही मकान का मुआवजा, एक ही बैंक अकाउंट में दो बार से लेकर 42 बार तक वितरित किया गया। इससे समझा जा सकता है कि किस प्रकार का भ्रष्टाचार हुआ, लूट हुई। जो मुआवजा प्राप्त करने के मुख्य हकदार थे, उन्हें मुआवजा न देकर सिर्फ लूट की गई। उन्होंने कहा कि लगभग 108 लोग ऐसे हैं, जिनको ये बाढ़ पीड़ित मुआवजे की राशि मिली है। वो या तो जनप्रतिनिधि हैं या सरकारी कर्मचारी हैं या फिर तृणमूल के नेता हैं।

खास बात ये है कि 7 करोड़ की राशि ऐसे लोगों को मुआवजे के तौर पर दी गई, जिन लोगों ने मुआवजे के लिए आवेदन ही नहीं किया था। केके शर्मा ने कहा कि इससे अंदाजा लगाया जा सकता हैं कि ममता सरकार में किस प्रकार की लूट मची हुई है। ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। आगामी दिनों में वहां विधानसभा का चुनाव है और आम जनता इस लूट-खसोट और भ्रष्टाचार का जवाब अपने मतों से देगी और ममता सरकार को उखाड़ फेंकेगी।

हिसार : सरकारी खाल तोड़ने वालों की जमानत याचिका खारिज

हिसार। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश खत्री सौरभ की कोर्ट ने बरवाला क्षेत्र के गांव सरसौद में सरकारी खाल को तोड़ने के सात आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है।

कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यह मामला गंभीर है और अग्रिम जमानत देने से जांच प्रक्रिया बाधित हो सकती है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह मामला पिछले वर्ष 10 दिसंबर को उप-मंडल नहर अधिकारी, बरवाला की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि गांव सरसौद में 58000-टेल बधावड़ रजवाहा पर स्थित करीब 12 एकड़ लंबे पक्के खाल को आरोपियों ने 20 अक्टूबर 2025 को ध्वस्त कर दिया था।

यह खाल पिछले 40 वर्षों से अस्तित्व में था और इसे तोड़ने से कई किसानों के खेतों की सिंचाई रुक गई।

शहरी विकास को लेकर महाराष्ट्र सरकार का दृष्टिकोण दीर्घकालिक : फडणवीस

सांगली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि शहरी विकास को लेकर उनकी सरकार का दृष्टिकोण दीर्घकालिक है जो 'आधुनिक शहर' सुनिश्चित करता है।

फडणवीस 88 सदस्यीय सांगली-मिराज-कुपवाड नगर निगम चुनाव के सिलसिले में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लोगों से 15 जनवरी को होने वाले चुनाव में

भाजपा नीत गठबंधन को बहुमत देने का आग्रह किया ताकि विकास प्रक्रिया में कोई रुकावट न आए। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सांगली आधुनिक सुविधाओं से लैस एक स्वच्छ शहर बने।

सांगली में हवाई अड्डा के लिए पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट पर काम चल रहा है। मुख्यमंत्री ने सांगली में एक 'ट्रक टर्मिनल' तथा मिराज में संगीत विरासत पार्क और वाद्य यंत्र संग्रहालय बनाने का भी वादा किया। फडणवीस ने रैली में कहा कि उनकी सरकार ने अतिक्रमणों को नियमित करने का फैसला किया है ताकि झुग्गीवासियों को पुनर्विकास में स्वामित्व अधिकार मिल सकें। उन्होंने कहा कि सांगली और कोल्हापुर के लिए बाढ़ जल निकासी परियोजना पर काम चल रहा है। इसके तहत बाढ़ के पानी को पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के सूखाग्रस्त क्षेत्रों की ओर मोड़ा जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने पटना हाईकोर्ट भवन के विस्तार की रखी आधारशिला

पटना। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने न्यायिक सेवा में आने वाली नयी पीढ़ी को आज आगाह किया कि उन्हें न्याय दिलाने में जल्दबाजी से बचना चाहिए तथा सहानुभूति और निर्णय की सटीकता के मानदंडों से कतई समझौता नहीं करना चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश ने शनिवार को पटना उच्च न्यायालय परिसर के विस्तार की कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी जिनकी कुल लागत करीब 302 करोड़ रुपए होगी। इन परियोजनाओं में एक वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) केंद्र, एक सूचना प्रौद्योगिकी ब्लॉक, एक मल्टी-लेवल पार्किंग सुविधा, एक अस्पताल भवन, एक ऑडिटोरियम, न्यायिक अधिकारियों के लिए आवासीय क्वार्टर और एडवोकेट जनरल के कार्यालय के लिए एक एनेक्सी शामिल हैं। इन सभी सुविधाओं का उद्देश्य अदालत के कामकाज को आधुनिक बनाना,

लॉजिस्टिक्स की बाधाओं को कम करना और मुकदमों के लिए न्याय तक पहुंच में सुधार करना है। इस मौके पर जजों, वकीलों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने जनसंख्या वृद्धि और तेजी से बढ़ते जटिल विवादों के साथ तालमेल बिठाने के लिए न्यायिक क्षमता का विस्तार करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचा सिर्फ इमारतों के बारे में नहीं है, बल्कि एक ऐसी न्याय प्रणाली बनाने के बारे में है जो समाज की जरूरतों के साथ विकसित होने के लिए पर्याप्त लचीली हो। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि बिहार एक ऐसी भूमि है जहां जहां न्याय को लंबे समय से एक नैतिक और सामाजिक सिद्धांत के रूप में समझा जाता रहा है, जो सहानुभूति और साझा जिम्मेदारी से आकार लेता है। उन्होंने कहा कि एक न्यायपूर्ण कानूनी प्रणाली को जानबूझकर उन समुदायों की ओर झुकना चाहिए जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। बार के युवा सदस्यों को एक स्पष्ट संदेश में, मुख्य न्यायाधीश ने ऐसी कार्य संस्कृति के प्रति आगाह किया जो संतुलन के लिए कोई जगह नहीं छोड़ती।

उन्होंने कहा कि कानूनी करियर की शुरुआत में तीव्रता आवश्यक हो सकती है, लेकिन यह सहानुभूति और सही निर्णय की कीमत पर नहीं होनी चाहिए - ये वही गुण हैं जिन पर न्याय निर्भर करता है। समारोह में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और राजेश बिंदल, साथ ही पटना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश, वकील और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुधीर सिंह भी मौके पर मौजूद थे, जबकि पटना उच्च न्यायालय के नव नियुक्त मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहू, इस कार्यक्रम में आभासी माध्यम शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि एडीआर केंद्र से त्वरित, सौहार्दपूर्ण समाधान को बढ़ावा मिलने और कोर्टरूम पर दबाव कम होने की उम्मीद है, जबकि आईटी भवन डिजिटल सिस्टम और ई-कोर्ट पहलों को मजबूत करेगा। अस्पताल और पार्किंग कॉम्प्लेक्स जैसी सुविधाएं जजों, वकीलों और कोर्ट कर्मचारियों द्वारा सामना की जाने वाली लंबे समय से चली आ रही व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिजाइन की गई हैं।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद मौसम नूर कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य मौसम बेनजीर नूर शनिवार को कांग्रेस में शामिल हो गयीं। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश, पश्चिम बंगाल के कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष शुभांकर सरकार और सांसद ईशा खान चौधरी की यहां मुख्यालय में मौजूदगी में मौसम नूर ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

मौसम नूर ने कहा कि मैं कांग्रेस को मजबूत करूंगी। गनी खान चौधरी परिवार के साथ कांग्रेस परिवार का सदस्य होने पर मुझे गर्व है। उनकी विरासत को बरकरार रखते हुए मैं पार्टी के लिए काम करूंगी। मैंने तृणमूल कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। मैंने उनकी अध्यक्ष ममता बनर्जी को इस्तीफा सौंप दिया है। मैं आगामी सोमवार को राज्यसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दूंगी।

बंगाल के लोग कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास करते हैं। इसलिए कांग्रेस का सदस्य बनकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष शुभांकर सरकार ने कहा कि मौसम नूर संघर्षशील नेता हैं और उनके आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। जयराम रमेश ने कहा कि गनी खान चौधरी कांग्रेस के स्तंभ थे। इंदिरा गांधी उनका बहुत सम्मान करती थीं। वह कोयला मंत्री थे।

मौसम नूर उन्हीं की विरासत को आगे लेकर जाएंगी। उल्लेखनीय है कि इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले उनकी घर वापसी को कांग्रेस के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मालदा के प्रभावशाली खान चौधरी परिवार से ताल्लुक रखने वाली नूर की वापसी से पार्टी को उत्तर बंगाल और मुस्लिम बहुल इलाकों में नया संबल मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री से मिले सीआईआई के प्रतिनिधि, राज्य में व्यापार और निवेश का बन रहा बेहतर माहौल

लखनऊ। बेहतर कानून व्यवस्था और स्थिर प्रशासनिक माहौल के चलते उत्तर प्रदेश अब देश भर के उद्योग जगत की पहली पसंद बनता जा रहा है। सुरक्षा, अनुशासन और निष्पक्ष शासन ने निवेशकों का भरोसा प्रदेश में मजबूत किया है। इसके परिणामस्वरूप बड़े, मध्यम और छोटे तीनों सेगमेंट के उद्योग तेजी से उत्तर प्रदेश की ओर रुख कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों ने स्पष्ट रूप से अपनी बात रखी।

मुख्यमंत्री से भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष राजीव मेमानी, नई दिल्ली, उमाशंकर भरतिया, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, इण्डिया ग्लाइको लि., दिल्ली/नोएडा व सुनील मिश्रा ने मुलाकात कर निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विस्तार को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधियों ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश का सिस्टम और गवर्नेंस मॉडल पूरी तरह बदला है। अब जमीन पर काम करना पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हुआ है और परियोजनाएं समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के विजन में उद्यमी सहयोग करना चाह रहे हैं। योगी के साथ इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बढ़ाने के लिए भी विचार-विमर्श किया गया। उत्तर प्रदेश पर इंडस्ट्री का भरोसा बढ़ा है। इसके साथ ही प्रदेश की निवेश अनुकूल नीतियों और प्रोत्साहन के कारण ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट रूप से कहा कि सख्त कानून-व्यवस्था ने उत्तर प्रदेश का औद्योगिक वातावरण पूरी तरह बदल दिया है। निवेश निर्णयों के लिए आवश्यक सुरक्षा और प्रशासनिक स्थिरता प्रदेश में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। एक्सप्रेसवे, औद्योगिक कॉरिडोर, एयरपोर्ट, लॉजिस्टिक्स हब तथा बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के तेज विकास ने राज्य के औद्योगिक इको सिस्टम को नई मजबूती प्रदान की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हुए विचार-विमर्श में यह भी सामने आया कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अब केवल नीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह जमीन पर प्रभावी रूप से लागू हो रहा है। प्रदेश सरकार की सिंगल-विंडो सिस्टम सेवा निवेश मित्र जहां वर्तमान में 43 विभागों की 525 से अधिक सेवाएं उपलब्ध है, जहां भौतिक हस्तक्षेप के बिना समयबद्ध डिजिटल स्वीकृतियों के चलते प्रदेश में उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया है। राज्य सरकार की प्रो-इंडस्ट्री नीति और त्वरित निर्णय क्षमता निवेश को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। इसी क्रम में उच्चीकृत निवेश मित्र 3.0 को जल्द लांच किया जायेगा जिसमें एआई व चैटबाट जैसी सुविधाओं से निवेशकों की निवेश यात्रा और आसान होगी ।

प्रतिनिधियों ने कहा कि समग्र रूप से बेहतर कानून व्यवस्था, सशक्त इंफ्रास्ट्रक्चर, पारदर्शी प्रशासन और उद्योगों को मिल रहे सहयोग के चलते उत्तर प्रदेश एक विश्वसनीय और स्थिर निवेश राज्य के रूप में उभर रहा है। यही कारण है कि देशभर के विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगपति आने वाले समय में यूपी में नए निवेश और विस्तार योजनाओं को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इसके साथ ही प्रदेश में औद्योगिक इकाइयों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि तय मानी जा रही है।

त्वरित न्याय दिलाने में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका : न्यायमूर्ति वाणी रंजन अग्रवाल

जौनपुर। त्वरित न्याय दिलाने में न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका एवं अधिवक्ता सबका योगदान होता है। लेकिन सर्वाधिक योगदान अधिवक्ताओं का होता है। न्यायपालिका का अपना एक अलग महत्व है। उक्त बातें न्यायमूर्ति वाणी रंजन अग्रवाल ने शनिवार को जौनपुर स्थित दीवानी न्यायालय सभागार में संतोष कुमार श्रीवास्तव की 20वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बतौर मुख्य अतिथि कही।

उन्होंने संतोषी बाबू को नमन किया और युवा अधिवक्ताओं को उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। न्यायमूर्ति ने नवनिर्मित अधिवक्ता संघ हाल का उद्घाटन भी किया। संतोषी बाबू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।उनके व्यक्तित्व कृतित्व पर चर्चा हुई। बार के अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव व आयोजक राजेश श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि व विशिष्ठ अतिथिगण को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि को न्याय की देवी की बदली हुई (पुनर्निरुपित) प्रतिमा भेंट किया। जिस पर मुख्य अतिथि वाणी रंजन अग्रवाल ने कहा कि न्याय की देवी की आंखों से अब पट्टी हट गई है और हाथों में तलवार की जगह संविधान है।

जिला जज सुशील कुमार शशि ने कहा कि देश को आजाद करने में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यहां की बार न्यायिक अधिकारियों के लिए पाठशाला है। बार और बेंच के सामंजस्य से त्वरित न्याय मिलता है। गोष्ठी का संचालन मंत्री रण बहादुर यादव ने किया। इस अवसर पर अधिवक्ता प्रेम शंकर मिश्र, आरपी सिंह,डीपी सिंह,सत्येंद्र सिंह, ब्रजनाथ पाठक,रमेश चंद्र उपाध्याय,अवधेश सिंह, रमेश सिंह सोलंकी, हिमांशु श्रीवास्तव, प्रेमनाथ पाठक, जयप्रकाश सिंह, अरुण प्रजापति,अजय कुमार यादव आदि उपस्थित थे।

भाजपा विधायक श्याम बिहारी लाल का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

बरेली। जिले के फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल का शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। भाजपा और विधायक के परिवार के लोगों ने बताया कि डॉ. श्याम बिहारी लाल का शुक्रवार दोपहर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उन्होंने बृहस्पतिवार को ही अपना 60वां जन्मदिन मनाया था।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, शनिवार को फरीदपुर की श्मशान भूमि पर दिवंगत विधायक का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। नम आंखों के बीच उनके बेटे ने चिता को मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में कई मंत्री और भाजपा नेता भी शामिल हुए। इससे पहले फरीदपुर स्थित विधायक कार्यालय में उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बरेली में विधायक श्याम बिहारी लाल के आवास पर पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत विधायक की पत्नी, बेटियों और बेटे से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। शनिवार दोपहर दो बजकर 13 मिनट पर विधायक की अंतिम यात्रा शुरू हुई, जिसमें हजारों की संख्या में समर्थक, मंत्री, पार्टी नेता और आम लोग शामिल हुए। राजकीय सम्मान के साथ तीन बजकर 20 मिनट पर श्मशान भूमि पर सलामी दी गई और तीन बजकर 40 मिनट पर उनके बेटे ने मुखाग्नि दी। पार्टी के एक कार्यकर्ता ने बताया कि शुक्रवार को सर्किट हाउस में पशुधन विकास मंत्री की बैठक आयोजित की जा रही थी, जिसमें विधायक श्याम बिहारी लाल भी मौजूद थे।

कार्यकर्ता के अनुसार, दोपहर करीब दो बजकर 15 मिनट पर उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। सहयोगियों ने उन्हें तत्काल मेडिसिटी अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई और करीब तीन बजे उन्हें अंतिम सांस ली।

होमगार्ड्स भर्ती में अब नहीं चलेगी किसी की पर्ची बरती जाएगी पूरी पारदर्शिता : धर्मवीर प्रजापति

औरैया। औरैया शहर में स्थित बीबीएस स्मृति विद्या पीठ में शनिवार को भव्य रूप से वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिनका तालियों की गड़गड़ाहट से उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि होमगार्ड्स व नागरिक सुरक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। मुख्य अतिथि मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे गुणवत्ता-परक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को समय दें और अच्छे संस्कार प्रदान करें। उन्होंने होमगार्ड्स भर्ती प्रक्रिया को लेकर कहा कि इसमें पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अब किसी की "पर्ची" नहीं चलेगी, बल्कि योग्य अभ्यर्थियों को ही अवसर मिलेगा, चाहे वह गरीब, मजदूर या श्रमिक वर्ग से ही क्यों न हो। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार इस पर गंभीरता से कार्य कर रही है और जनता समय आने पर जवाब देगी। कार्यक्रम से पूर्व भाजयुमो प्रदेश मंत्री सौरभ भूषण शर्मा एवं विद्यालय प्रबंधक गौरव भूषण शर्मा ने मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का बुके भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा पपेट डांस, वृक्ष संरक्षण पर नाटक, वारियर डांस, एनिमल एक्ट, भ्रूण हत्या पर नाट्य प्रस्तुति, नवहन नृत्य, कंटारा डांस सहित अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई, इसके बाद छोटे बच्चों ने शिव वंदना नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य रमनीक कौर, विद्यालय का समस्त स्टाफ, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

नहर का तटबंध टूटने से सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न, गांव में घरों तक घुसा पानी

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में जिगना क्षेत्र अंतर्गत रायपुर सरौंई गांव में शुक्रवार की रात नहर का तटबंध टूट जाने से भारी तबाही मच गई। नहर का पानी गांव की ओर फैल गया। सैकड़ों बीघा फसल पानी में डूब गई। हालात इतने खराब हो गए कि रिहायशी बस्ती के कई मकान चारों ओर से पानी से घिर गए और घरों में पानी भरने से गांव में अफरातफरी मच गई। यह नहर हलिया क्षेत्र स्थित बेलन बरौंधा डैम से निकली है। इसका टेल हिस्सा रायपुर सरौंई गांव के पास पड़ता है।

गांव के पास पुलिया के समीप तटबंध टूटने की यह घटना कोई नई नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार साल दर साल इसी स्थान पर तटबंध टूटता है। किसानों को हर बार भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ग्राम प्रधान संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि नहर का गहरीकरण तो कराया जाता है लेकिन तटबंध की मरम्मत व मजबूती पर ध्यान नहीं दिया जाता। जर्जर तटबंध के कारण पानी बाहर फैल जाता है। खेतों में खड़ी फसलों की पौध सड़-गल जाती है। इस बार भी कई किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है।

तटबंध टूटने से खलीफा, महेंद्र गुप्ता, मुख्तार अली, जीवबोधन गुप्ता, राजेंद्र वर्मा, नान्हक और रमेश के मकानों में पानी घुस गया है। उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सीताराम, लालचंद, मनीराम, विजयधर, मोहन, महेश सहित अनेक किसानों की फसलें पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं।

कार्यदायी संस्था बेलन बरौंधा नहर प्रखंड के अवर अभियंता हरि मोहन ने बताया कि टूटे हुए तटबंध की मरम्मत का कार्य शुरू करा दिया गया है। हालांकि किसानों ने कार्यदायी संस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों व किसानों ने जिलाधिकारी से क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्राम प्रधान संतोष कुमार तिवारी ने एसडीएम सदर से राजस्व कर्मियों को मौके पर भेजकर नुकसान का आकलन कराए जाने की मांग की है।

पौष पूर्णिमा पर 21.50 लाख लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

प्रयागराज। पौष पूर्णिमा स्नान के साथ शनिवार से संगम की रेती पर माघ मेला प्रारंभ हो गया। बच्चे, बूढ़े, महिलाएं और युवा सुबह से ही गंगा और संगम की ओर जाते दिखाई दिए। शाम चार बजे तक लगभग 21.50 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। प्रयागराज मेला प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि माघ मेले के प्रथम स्नान पौष पूर्णिमा पर शनिवार शाम चार बजे तक 21.50 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। इस स्नान पर्व के साथ एक माह का कल्पवास भी आज से शुरू हो गया।

त्रिवेणी संगम आरती सेवा समिति के अध्यक्ष आचार्य राजेंद्र मिश्र ने बताया कि माघ मेले में करीब पांच लाख कल्पवासियों का आज से कल्पवास प्रारंभ हो जाएगा जिसके तहत वे दिन में दो बार गंगा स्नान और एक पहर भोजन लेते हैं और बाकी समय अपने आराध्य देवता का ध्यान, पूजन आदि करते हैं। उन्होंने कहा कि कड़ाके की ठंड पड़ने के कारण सुबह स्नानार्थियों की भीड़ थोड़ी कम थी, लेकिन दिन निकलने के साथ उनकी संख्या तेजी से बढ़ी। पौष पूर्णिमा स्नान के लिए दिनभर लोग आते रहे। मेला प्रशासन के मुताबिक सुबह 10 बजे तक नौ लाख श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में स्नान किया था। प्रयाग धाम संघ के अध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल ने बताया कि सुबह से ही कोहरा होने के कारण श्रद्धालुओं की संख्या बहुत अधिक नहीं थी, लेकिन यदि कल्पवासियों की संख्या को जोड़ दें तो शाम तक 20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पौष पूर्णिमा का स्नान किया। उन्होंने बताया कि आज शाम चार बजे तक पौष पूर्णिमा स्नान मुहूर्त था। वहीं, कल्पवासियों ने आज स्नान करने के बाद अपने पुरोहित से एक माह के कल्पवास का संकल्प लिया और उसी के अनुसार वे यहां मेले में प्रवास करेंगे। प्रयागराज की मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने पौष पूर्णिमा पर 20 से 30 लाख श्रद्धालुओं के गंगा और संगम में स्नान करने की उम्मीद जताई थी। माघ मेले में 10,000 फुट क्षेत्र के 10 स्नान घाट बनाए गए हैं और नौ पांटून पुल बनाए गए हैं। कोलकाता से सपरिवार स्नान करने आईं पूजा झा ने कहा कि माघ मेला में आकर बहुत अच्छा लग रहा है। स्नान का पहला दिन होने के कारण भीड़ थोड़ी कम है। हालांकि भीड़ कम होने से लोग आराम से स्नान कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के रीवा से लड्डू गोपाल को लेकर आईं शिवानी मिश्रा ने कहा कि वह महाकुंभ में तीन बार स्नान करने आई थीं और माघ मेले में भीड़ कम होने से अच्छे से स्नान हुआ।

एडीएम (माघ मेला) दयानंद प्रसाद ने बताया कि पहली बार माघ मेला क्षेत्र में कल्पवासियों के लिए एक अलग से नगर बसाया गया है। 950 बीघे में बसाए गए इस नगर को प्रयागवाल नाम दिया गया है। नागवासुकी मंदिर के सामने गंगा नदी के पार इसे बसाया गया है। माघ मेला 2026 के प्रमुख स्नान पर्वों में पौष पूर्णिमा (तीन जनवरी), मकर संक्रांति (14 जनवरी), मौनी अमावस्या (18 जनवरी), बसंत पंचमी (23 जनवरी), माघी पूर्णिमा (एक फरवरी) और महाशिवरात्रि (15 फरवरी) शामिल हैं।

'आप' बेरोजगारी और सामाजिक न्याय के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश में 16 जनवरी से निकालेगी पदयात्रा

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) ने उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी, प्रश्नपत्र लीक, आरक्षण में कथित घोटालों और ''बढ़ते सामाजिक भेदभाव'' के खिलाफ निर्णायक संघर्ष का ऐलान करते हुए पदयात्रा निकालने का फैसला किया है।

आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने शनिवार को संवाददाताओं से बातचीत में बताया कि पार्टी तीसरे चरण की 'रोजगार दो-माजिक न्याय दो' पदयात्रा 16 से 22 जनवरी तक निकालेगी। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा मिर्जापुर स्थित शहीद उद्यान से काशी-वाराणसी के सारनाथ तक लगभग 90-100 किलोमीटर के रूट पर निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य युवाओं को रोजगार, वंचित वर्गों को संवैधानिक न्याय दिलाना और सरकार को जनता के प्रति जवाबदेह बनाना है। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में रोजगार के नाम पर एक संगठित ''खेल खेला'' जा रहा है। उन्होंने कहा, ''कभी पेपर लीक, कभी उच्च न्यायालय से रोक और कभी उच्चतम न्यायालय में सरकार की अपील-नतीजा यह है कि नौजवान हाथ में फाइल और आंखों में सपने लिए दर-दर भटक रहा है।'' उन्होंने कहा कि लेखपाल, दरोगा, सिपाही और पीसीएस-जे जैसी परीक्षाओं में बार-बार गड़बड़ियां कर युवाओं का भविष्य चौपट किया गया है।

आप सांसद ने आरोप लगाया कि भर्ती प्रक्रियाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के संवैधानिक आरक्षण को सुनियोजित तरीके से कमजोर किया गया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय का मुद्दा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि नौकरी और सम्मान दोनों छीने जा रहे हैं।

तीन बड़ी सिंचाई परियोजनाओं के लिए नाबार्ड ने स्वीकृत की धनराशि

लखनऊ। प्रदेश में सिंचाई क्षमता का पूर्ण विकास करने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से प्रदेश ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय की दीर्घकालिक सिंचाई कोष योजना (एटीआईएफ) के तहत प्रदेश में 3 बड़ी नहर परियोजनाओं के विकास कार्य के लिए नाबार्ड की ओर से 6,431.34 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके तहत बुंदेलखंड क्षेत्र में अर्जुन सहायक नहर, पूर्वांचल के क्षेत्र में सरयू नहर और संभल, मुरादाबाद, अमरोहा जनपद में मध्य गंगा नहर परियोजना के दूसरे चरण का निर्माण किया जाएगा। ये परियोजनाएं पूर्वी, पश्चिमी यूपी में बाढ़ नियंत्रण के साथ बुंदेलखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का विकास करने के साथ कृषि उत्पादन और उत्पादन क्षेत्र दोनों में बढ़ोतरी लाएंगी। साथ ही नदियों के चैनलाइजेशन से ग्लोबल वार्मिंग की चुनौति का समाना करने में भी प्रदेश को सक्षम बनाएगीं।

बुंदेलखंड में अर्जुन सहायक परियोजना का होगा विकास कार्य जल्द पूरा

केंद्र सरकार की दीर्घकालिक सिंचाई कोष योजना के तहत नाबार्ड के सहयोग से देश के 18 राज्यों में 99 मध्यम और प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण और क्षमता विस्तार किया जा रहा है। मुख्य सचिव के साथ नाबार्ड के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि इस क्रम में बुंदेलखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्र में अर्जुन सहायक परियोजना के लिए 1,353.86 करोड़ रुपये स्वीकृत किया गया है। ये परियोजना महोबा, हमीरपुर और बांदा जिलों को कवर करती है। बुंदेलखंड की धसान नदी पर बनी परियोजना के कई हिस्सों का काम पूरा हो चुका है, स्वीकृत धनराशि से विशेष रूप से हमीरपुर जिले में शेष कार्य को जल्द पूरा किया जाएगा। परियोजना के पूरा होने से बुंदेलखंड क्षेत्र के सूखाग्रस्त किसानों की बारिश पर निर्भरता तो कम होगी ही, उत्पादन और उत्पादन क्षेत्र दोनों में वृद्धि भी होगी। साथ ही यह परियोजना क्षेत्र में पेयजल संकट और मवेशियों के लिए भी जल उपलब्ध करायेगी, जिससे किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी।

सरयू नहर परियोजना से लाभान्वित होंगे 30 लाख से अधिक किसान

जल शक्ति मंत्रालय की एलटीआईएफ योजना के तहत यूपी की दूसरी महत्वपूर्ण परियोजना सरयू नहर के लिए 1,899.35 करोड रुपये स्वीकृत किये गये हैं। ये परियोजना बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोण्डा, बस्ती, संत कबीर नगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर और गोरखपुर जिलों में फैली हुई है। परियोजना के निर्माण से पूर्वी उत्तर प्रदेश के घनी आबादी वाले इन जिलों को जल संकट से निजात मिलेगी। साथ ही सरयू, राप्ती, बांणगंगा और रोहिनी नदी के अतिरेक पानी का चैनलाइजेशन कर कृषि क्षेत्र और उत्पादन में भी वृद्धि लाएगी। परियोजना पूरा होने से 6,227 गांवों के 30 लाख से अधिक किसानों को लाभ होगा और 15 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सुनियोजित सिंचाई की सुविधा मिलेगी। साथ ही सिंचाई, पेयजल और मत्स्य पालन के अवसर भी बढ़ेंगे।

पश्चिमी यूपी में मध्यगंगा चरण-2 का निर्माण जल्द होगा पूरा

इस क्रम में तीसरी परियोजना मध्य गंगा चरण-2 को स्वीकृति मिली है, जिसके लिए नाबार्ड ने 3,178.04 करोड़ रुपये स्वीकृत किए है। मध्य गंगा चरण-2 के तहत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संभल, मुरादाबाद और अमरोहा जिले विशेषतौर पर लाभान्वित होंगे। परियोजना के निर्माण से गंगा बेसिन के क्षेत्र में बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई क्षमता में अभूतपूर्व सुधार होगा। नाबार्ड के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से उत्तर प्रदेश के पूर्वी, पश्चिमी और बुंदेलखंड में सिंचाई व्यवस्था के साथ कृषि और संबद्ध क्षेत्र से जुड़े किसानों की आय बढ़ेगी। साथ ही ही ग्लोबल वार्मिंग के संकट का सामना करने में भी प्रदेश को सक्षम बनाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के मुताबिक इन परियोजनाओं के पूरा होने से प्रदेश में न केवल कृषि उत्पादन और उत्पादन क्षेत्र बढ़ेगा, साथ ही पेय जल संकट दूर होगा, मत्स्य पालन में बढ़ोतरी होगी।

सिराज न्यूजीलैंड श्रृंखला से करेंगे वनडे में वापसी श्रेयस अय्यर की भागीदारी फिटनेस पर निर्भर

नई दिल्ली। अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला के लिए शुक्रवार को चुनी गयी 15 सदस्यीय भारतीय टीम में वापसी की जबकि श्रेयस अय्यर भी फिटनेस मंजूरी मिलने पर इस टीम का हिस्सा होंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में नजरअंदाज किए गए सिराज की वनडे टीम में वापसी हुई है। नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में वनडे श्रृंखला के दौरान 'स्प्लीन' (तिल्ली) में चोट लगने के कारण अस्पताल में भर्ती हुए श्रेयस अय्यर को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) से फिटनेस मंजूरी पाने के लिए इस महीने विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी मैच फिटनेस साबित करनी होगी।

दिग्गज हरफनमौला हार्दिक पंड्या को सीओई से मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं मिली इसलिए चयनकर्ताओं ने उन्हें 11 जनवरी से वडोदरा में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए टीम में शामिल नहीं किया। इस श्रृंखला के बाकी दो मैच राजकोट और इंदौर में क्रमशः 14 और 18 जनवरी को खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने यहां जारी बयान में

कहा की श्रेयस अय्यर की उपलब्धता बीसीसीआई सीओई से फिट होने का प्रमाण मिलने पर निर्भर है।''

उन्होंने कहा कि बीसीसीआई सीओई ने हार्दिक पंड्या को एक मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी है और आगामी आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप के मद्देनजर उनके कार्यभार को नियंत्रित किया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के दौरान शानदार शतक बनाने के बावजूद ऋतुराज गायकवाड़ को चयनकर्ताओं ने नजरअंदाज किया। कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला का हिस्सा नहीं थे ऐसे में गायकवाड़ को मौका मिला था।

उन्होंने रायपुर में नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए 83 गेंदों में शानदार 105 रन बनाए थे। गिल टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद वनडे कप्तानी की जिम्मेदारी केएल राहुल से वापस लेंगे, जिन्होंने गिल की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभाली थी। ऋषभ पंत ने अटकलों के बावजूद टीम में दूसरे विकेटकीपर के रूप में अपनी जगह बरकरार रखी है। पिछली श्रृंखला में टीम का हिस्सा रहे तिलक वर्मा और ध्रुव जुरेल सीनियर खिलाड़ियों के चोट से वापसी करने के कारण टीम से बाहर हो गये हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में सिराज, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह शामिल हैं जबकि ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चौथे विकल्प के रूप में मौजूद हैं।

रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सुपरस्टार खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब सिर्फ वनडे प्रारूप में खेलते है और टीम में उनकी मौजूदगी से एक बार फिर तीनों स्टेडियम में भारी भीड़ जुटाने की उम्मीद है।

वनडे श्रृंखला के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान; फिटनेस मंजूरी के अधीन), वाशिंगटन सुंदर, रविंद्र जड़ेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जयसवाल।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी में राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को वाराणसी के 'डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम' में 72वें राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन करेंगे। चार से 11 जनवरी तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में पूरे देश से 1,000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे।

टूर्नामेंट में विभिन्न राज्यों और संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाली 58 टीम खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी। यहां जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार इस टूर्नामेंट में भारतीय वॉलीबाल में उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा, खेल भावना और प्रतिभा का प्रदर्शन होने की उम्मीद है। वाराणसी में 72वें राष्ट्रीय वॉलीबाल टूर्नामेंट की मेजबानी यह दर्शाता है कि शहर में खेल अवसंरचना को मजबूत करने के साथ खेल विकास को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। बयान के मुताबिक यह शहर को प्रमुख राष्ट्रीय आयोजनों के केंद्र के रूप में और अधिक प्रतिष्ठित बनाता है। यह महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी में इसकी बढ़ती भूमिका के अनुरूप है।

मुंबई मैराथन: मौजूदा चैंपियन अनीश और निर्मबेन करेंगे भारतीय चुनौती की अगुवाई

मुंबई। मौजूदा चैंपियन अनीश थापा और निर्मबेन ठाकोर 18 जनवरी को होने वाली टाटा मुंबई मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। इस मैराथन को विश्व एथलेटिक्स से गोल्ड लेबल रेस का दर्जा हासिल है। इस वर्ष की मैराथन में देश के 36 शीर्ष एथलीट भाग लेंगे। इनमें 23 पुरुष और 13 महिला एथलीट शामिल हैं। भारतीय एलीट पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष तीन स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः पांच लाख रुपये, चार लाख रुपये और तीन लाख रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा प्रतियोगिता में नया रिकार्ड बनाने वाले खिलाड़ी को दो लाख रुपये का अलग पुरस्कार मिलेगा। वर्तमान में भारतीय रिकॉर्ड पुरुष वर्ग में नितेंद्र सिंह रावत (2:15:48 - दो घंटे, 15 मिनट, 48 सेकंड) और महिला वर्ग में सुधा सिंह (2:34:56) के नाम हैं।अनीश को पिछली बार के उपविजेता मान सिंह से कड़ी चुनौती मिलेगी जिन्होंने 2025 वालेंसिया मैराथन में 2:13:25 का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

पाकिस्तान ने आईसीसी को टी20 विश्व कप के लिए संभावित टीम सौंपी

लाहौर। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय संभावित टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सौंप दी है, लेकिन अभी तक इसे सार्वजनिक नहीं किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक विश्वसनीय सूत्र ने यह जानकारी दी। आईसीसी ने इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए सभी टीमों से एक जनवरी तक अपनी संभावित टीम सौंपने के लिए कहा था और पीसीबी ने निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी कर ली थी।

सभी टीमों को 31 जनवरी तक अपनी संभावित टीम में बदलाव करने की अनुमति है। उसके बाद किसी भी तरह के बदलाव के लिए आईसीसी की टूर्नामेंट तकनीकी समिति से मंजूरी लेनी पड़ेगी। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान की संभावित टीम में चोटिल तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी, पूर्व कप्तान बाबर आजम और ऑलराउंडर शादाब खान भी शामिल हैं। शादाब कंधे की चोट के कारण पिछले साल मई से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेल पाए हैं। शादाब ने पिछले महीने बिग बैश लीग में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की और उन्हें सात जनवरी से श्रीलंका में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए पाकिस्तान की टीम में शामिल किया गया है। सूत्रों के अनुसार चयनकर्ताओं ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए चुने गए अधिकतर खिलाड़ियों को विश्व कप के लिए अपनी संभावित टीम में जगह दी है।

तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को संभावित टीम में भी शामिल नहीं किया गया है, जबकि शाहीन का अंतिम चयन घुटने की चोट से उबरने पर निर्भर करेगा। वह पिछले महीने बिग बैश लीग में खेलने के दौरान चोटिल हो गए थे। स्पिनर उस्मान तारिक और अबरार अहमद, ऑलराउंडर फहीम अशरफ और मोहम्मद नवाज, साइम अयूब, साहिबजादा फरहान, फखर जमां, नसीम शाह, उस्मान खान, मोहम्मद वसीम जूनियर और सलमान अली आगा संभावित टीम में शामिल अन्य खिलाड़ी हैं।

बोंडी में हुई गोलीबारी की घटना के बाद पांचवें एशेज टेस्ट के लिए सुरक्षा कड़ी की गई

सिडनी। सिडनी के बॉंडी बीच में हुई गोलीबारी की घटना को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच रविवार से यहां शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट मैच के लिए सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस मैच के दौरान लंबी राइफलों से लैस पुलिस गश्त करेगी।

ऑस्ट्रेलिया में किसी खेल प्रतियोगिता के दौरान अमूमन इस तरह की सुरक्षा नहीं देखी जाती है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में होने वाले इस मैच में स्टेडियम खचाखच भरे रहने की संभावना है। इस दौरान वर्दीधारी और घुड़सवार पुलिस के साथ-साथ सार्वजनिक व्यवस्था और दंगा नियंत्रण दस्ते के अधिकारी भी निगरानी रखेंगे। बोंडी बीच में तीन सप्ताह पहले हनुक्का उत्सव के दौरान दो बंदूकधारियों ने 15 लोगों की हत्या कर दी थी। इस घटना में कई अन्य लोग घायल हो गए थे। न्यू साउथ वेल्स राज्य के पुलिस आयुक्त माल लैन्योन ने शनिवार को कहा कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने का उद्देश्य जनता को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त करना है। उन्होंने कहा, ''हो सकता है कि कई लोग खेल प्रतियोगिता के दौरान पुलिस को राइफल लिए देखने के आदी न हों, लेकिन हमारा उद्देश्य जनता को सुरक्षित महसूस कराना है और पुलिस बल तैनात रहेगा। अंतर सिर्फ इतना होगा कि लंबी बंदूकें दिखाई देंगी और पुलिस की मौजूदगी मजबूत होगी। पुलिस हमेशा की तरह असामाजिक और असुरक्षित व्यवहार करने वालों को निशाना बनाएगी।'' मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 26 दिसंबर से खेले गए चौथे एशेज टेस्ट के लिए भी इसी तरह के सुरक्षा उपाय अपनाए गए थे। वहां भी विशेष पुलिस अधिकारियों को अर्ध-स्वचालित राइफलों से लैस किया गया था और उन्होंने स्टेडियम, पास के एक पार्क और रेलवे स्टेशन के आसपास गश्त की थी।

हार्दिक पांड्या ने विजय हजारे ट्रॉफी में जड़ा अपना पहला लिस्ट-ए शतक

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने विजय हजारे ट्रॉफी में बड़ौदा की ओर से खेलते हुए विदर्भ के खिलाफ अपने करियर का पहला लिस्ट-ए शतक जड़ दिया। यह शानदार पारी उन्होंने शनिवार को राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेली।

हार्दिक ने महज 68 गेंदों में शतक पूरा किया, जिसमें छह चौके और आठ छक्के शामिल थे। वह उस समय बल्लेबाजी करने आए जब बड़ौदा की हालत बेहद खराब थी और टीम 20वें ओवर में 71 रन पर 5 विकेट गंवा चुकी थी। नंबर सात पर उतरने के बाद हार्दिक ने शुरुआत में संयम दिखाया और 44 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद उन्होंने गियर बदले और अगली 24 गेंदों में शतक तक पहुंच गए। पारी का सबसे यादगार पल 39वां

ओवर रहा, जब हार्दिक ने विदर्भ के बाएं हाथ के स्पिनर पार्थ रखेडे के एक ओवर में 34 रन ठोक दिए। इस ओवर में उन्होंने पांच छक्के और एक चौका लगाया। यह विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास का तीसरा सबसे महंगा ओवर रहा। हार्दिक अंततः 92 गेंदों पर 133 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस विस्फोटक पारी में उन्होंने 11 छक्के और आठ चौके लगाए। यह इस सीजन में विजय हजारे ट्रॉफी में बड़ौदा के लिए हार्दिक पांड्या का पहला मैच था। इससे पहले उन्होंने आखिरी बार मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान 50 ओवर प्रारूप में मैच खेला था।

कुल मिलाकर हार्दिक पांड्या अब तक 119 लिस्ट-ए मैच खेल चुके हैं, जिनमें भारत के लिए 94 वनडे, भारत-ए के लिए 8 और बड़ौदा के लिए 17 मैच शामिल हैं। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ लिस्ट-ए स्कोर 2020 में कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 92 रन था। लिस्ट-ए क्रिकेट में हार्दिक अब तक 2300 से अधिक रन बना चुके हैं। इस शानदार शतक के साथ हार्दिक पांड्या ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह किसी भी परिस्थिति में मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं।

सिंधुदुर्ग हवाई अड्डे को 24 घंटे संचालन के लिए डीजीसीए की मंजूरी मिली

मुंबई। महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में स्थित सिंधुदुर्ग हवाई अड्डे को विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए (डीजीसीए) से 24 घंटे संचालन की मंजूरी मिल गई है, जिसमें कम दृश्यता और प्रतिकूल मौसम की स्थितियां भी शामिल हैं। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स ने एक बयान में यह जानकारी दी।

आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा संचालित इस हवाई अड्डे ने अक्टूबर 2021 में व्यावसायिक परिचालन शुरू किया था। आईआरबी सिंधुदुर्ग हवाई अड्डे के मुख्य सलाहकार और प्रमुख जय एस सदाना ने कहा, ''24 घंटे सभी मौसमों में संचालन की मंजूरी हवाई अड्डे की विश्वसनीयता और परिचालन क्षमता को काफी बढ़ाती है। इससे एयरलाइनों का भरोसा बढ़ेगा, यातायात में निरंतर वृद्धि होगी और पूरे कोंकण क्षेत्र में आर्थिक और पर्यटन विकास में सार्थक योगदान मिलेगा।''

हवाई अड्डे को 'इंस्ट्रूमेंट फ्लाइट रूल्स' (आईएफआर) के लिए प्रमाणित किया गया है, जो कम दृश्यता और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के दौरान विमान संचालन को सक्षम बनाता है। इस मंजूरी में उपग्रह आधारित 'रिक्वायर्ड नेविगेशन परफॉर्मेंस' (आरएनपी) प्रक्रियाएं और बैकअप नेविगेशन सहायता की उपलब्धता शामिल है। इन प्रणालियों से साल भर सभी प्रकार के विमानों के लिए सुरक्षित लैंडिंग और अधिक भरोसेमंद उड़ान संचालन सुनिश्चित होता है।

श्रम मंत्रालय का प्रस्ताव, गिग कामगारों की सामाजिक सुरक्षा के लिए साल में 90 दिन का काम जरूरी

नई दिल्ली। श्रम मंत्रालय ने ऐप-आधारित डिलीवरी पार्टनर, कैब ड्राइवर और फ्रीलांसर जैसे अस्थायी कामगारों (गिग वर्कर) को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए साल भर में कम-से-कम 90 दिन काम करने का प्रस्ताव रखा है। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत बनाए गए नए मसौदा नियमों में यह प्रस्ताव रखा गया है। यह मसौदा 31 दिसंबर को जारी किया गया है और इस पर हितधारकों से सुझाव मांगे गए हैं।

सरकार ने सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 समेत चार नए श्रम कानूनों को 21 नवंबर, 2025 को अधिसूचित किया था। मसौदा नियमों के मुताबिक, यदि कोई अस्थायी या ऑनलाइन मंच से जुड़ा कामगार किसी एक कंपनी या ऐप के साथ पिछले वित्त

वर्ष में कम-से-कम 90 दिन काम करता है, तो वह सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए पात्र माना जाएगा। अगर इस अवधि में वह एक से अधिक ऐप या कंपनियों के साथ काम करता है, तो कुल मिलाकर उसे न्यूनतम 120 दिन काम करना होगा। मंत्रालय ने साफ किया है कि किसी दिन चाहे जितनी भी कमाई हुई हो, यदि उस दिन काम किया गया है तो उसे एक कार्यदिवस माना जाएगा। अगर कोई डिलीवरी पार्टनर या कैब ड्राइवर किसी दिन ऐप के जरिये एक भी ऑर्डर या सफर को पूरा करता है, तो वह दिन उसके कामकाजी दिन के रूप में गिना जाएगा। यहां तक कि यदि कोई व्यक्ति एक ही दिन में तीन अलग-अलग ऐप के लिए काम करता है, तो उसे तीन दिन का काम माना जाएगा।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा कि ऐसे सभी गिग वर्कर इसमें शामिल होंगे, जिन्हें कंपनियां सीधे या किसी दूसरी सहयोगी कंपनी या एजेंसी के जरिये काम पर रखती हैं। हर कंपनी को अपने साथ जुड़े अस्थायी कामगारों की जानकारी नियमित रूप से सरकारी पोर्टल पर अद्यतन करनी होगी। जानकारी अद्यतन नहीं होने पर कामगार को सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पाएगा। नए नियमों के तहत, 16 साल या उससे अधिक उम्र के हर अस्थायी कामगार को 'आधार' जैसे दस्तावेजों के आधार पर एक निर्धारित पोर्टल पर अपना पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण के बाद उन्हें एक डिजिटल पहचान पत्र मिलेगा, जिसे पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकेगा।

गिग वर्कर के लिए एक अलग सामाजिक सुरक्षा कोष बनाया जाएगा, जिसमें कंपनियों से लिया गया योगदान जमा होगा। यदि कोई कंपनी तय समय पर यह योगदान जमा नहीं करती है, तो उसे हर महीने एक प्रतिशत ब्याज भी देना होगा

केंद्र ने राज्यों से कृषि योजना खर्च में तेजी लाने को कहा, कोष में देरी की चेतावनी दी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को राज्यों से अपने बजट के रणनीतिक उपयोग का आग्रह किया और चेताया कि खर्च में देरी से राज्यों को नुकसान होता है और केंद्र से मिलने वाले कोष को समय पर जारी करने में बाधा आती है।

राज्य कृषि मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के लिए आरक्षित धन को मार्च से पहले खर्च करना आवश्यक है, ताकि प्रशासनिक अड़चनों के कारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में देरी न हो। उन्होंने कहा, ''यदि राज्य समय पर अपने बजट का उपयोग नहीं कर पाते हैं, तो इससे उन्हें नुकसान होता है।'' मंत्री ने यह भी बताया कि अक्सर छोटे प्रशासनिक और प्रक्रियागत कारणों से बजट आवंटन में देरी हो जाती है। बैठक में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) और कृषोन्नति योजना (केवाई) सहित केंद्रीय कृषि योजनाओं की प्रगति और बजट उपयोग की समीक्षा की गई। चौहान ने पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसानों की शीघ्र सत्यापन, फसल बीमा योजना में कवरेज बढ़ाने और दावों का समय पर निपटान सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने बीज और उर्वरक की उपलब्धता, संतुलित उपयोग और केंद्र-राज्य समन्वय को मजबूत करने पर भी ध्यान दिलाया। बैठक में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तराखंड और मिजोरम के कृषि मंत्री, कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

चाय बोर्ड ने आयातित चाय की 100% जांच का निर्णय लिया: डिप्टी चेयरमैन

कोलकाता। चाय बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन सी मुरुगन ने शनिवार को भरोसा दिलाया कि देश में सस्ती और निम्न गुणवत्ता वाली चाय के आयात को रोकने के लिए आयात की गुणवत्ता का 100 प्रतिशत परीक्षण किया जाएगा। चाय उद्योग ने शिकायत की है कि नेपाल और वियतनाम जैसे देशों से सस्ती और खराब गुणवत्ता वाली चाय देश में आ रही है, जिससे उद्योग को नुकसान हो रहा है।

चाय एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएआई) की द्विवार्षिक बैठक में मुरुगन ने कहा कि बोर्ड आयात की गुणवत्ता का 100 प्रतिशत परीक्षण करने की प्रक्रिया को औपचारिक रूप दे रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना तैयार की जा रही है, जिसमें 15-20 दिन लगेंगे। इसके बाद कानूनी सलाह और वाणिज्य मंत्रालय की मंजूरी ली जाएगी। मुरुगन ने कहा कि बोर्ड उद्योग

में सुविधा प्रदान करेगा और नियंत्रण को आसान बनाएगा। चाय बोर्ड नीलामी प्रणाली में सीधे शामिल नहीं होगा, लेकिन इसे सुगम बनाएगा। साथ ही, भारतीय चाय के प्रचार और विपणन को बढ़ावा देने का प्रयास भी करेगा।

उन्होंने बताया कि चाय विकास और प्रचार योजना के तहत अगले पांच वर्षों में 1,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे छोटे चाय उत्पादकों को भी लाभ मिलेगा। पश्चिम बंगाल के श्रम सचिव अवनींद्र सिंह ने कहा कि चाय उद्योग कठिन दौर से गुजर रहा है। नेपाल से आयातित सस्ती और निम्न गुणवत्ता वाली चाय दार्जीलिंग चाय उद्योग को नुकसान पहुंचा रही है।

उन्होंने उद्योग से अपील की कि बंद चाय बागानों को खरीदकर उन्हें पुनर्जीवित किया जाए और इसमें कामगारों को इक्विटी देकर उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इससे कामगारों में स्वामित्व की भावना विकसित होगी।

इंडिगो ने हर हफ्ते 14 उड़ानों के साथ पुडुचेरी में संपर्क मजबूत किया

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में अपनी सेवाओं को मजबूत किया है। अब सप्ताह में 14 उड़ानें संचालित होने से क्षेत्रीय संपर्क में सुधार हुआ है।

इंडिगो ने 20 दिसंबर, 2024 से पुडुचेरी से संचालन शुरू किया था और केंद्र शासित प्रदेश में एक साल पूरा कर लिया है। दिसंबर, 2025 तक पुडुचेरी से सप्ताह में 14 उड़ानें संचालित की जाती थीं, जो शहर को बेंगलुरु और हैदराबाद से जोड़ती हैं। इंडिगो की सेवाओं से पुडुचेरी के लिए नियमित संपर्क मजबूत हुआ, जिससे हवाई यात्रा अधिक सुगम हुई और निवासियों, छात्रों, पेशेवरों तथा पर्यटकों को लाभ हुआ। एयरलाइन ने शनिवार को बयान में बताया कि इंडिगो हर हफ्ते 14 फ्लाइट्स ऑपरेट कर रही है, जिससे उसकी क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बेहतर हुई है।

बेहतर हवाई संपर्क ने पुडुचेरी के कई क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा दिया है। बेंगलुरु और हैदराबाद तक आसान पहुंच ने निवासियों को विशेषीकृत स्वास्थ्य सेवा और उच्च शिक्षा के लिए अधिक कुशल यात्रा करने में मदद की है।

एनटीपीसी वेस्टर्न रीजन-I ने कैंसर केयर के लिए एमओयू पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र एवं भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने रेडियोथेरेपी सेवाओं को अपग्रेड करने के लिए गुजरात कैंसर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (जीसीआरआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

विद्युत मंत्रालय के मुताबिक एनटीपीसी लिमिटेड ने अहमदाबाद में जीसीआरआई के सिद्धपुर सैटेलाइट सेंटर में रेडियोथेरेपी सेवाओं को अपग्रेड करने के लिए 23.16 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में जीसीआरआई के डायरेक्टर डॉ. शशांक पंड्या और एनपीटीसी के रीजनल एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (वेस्ट-I) ई. सत्य फणी कुमार के बीच मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) का आदान-प्रदान किया गया। साइनिंग सेरेमनी अखय कुमार

पात्रा, जीएम (ओएस), ए पी सामल, सीईओ (एनपीयूएनएल) और सीजीएम (न्यूक्लियर), और वंदना चतुर्वेदी, रीजनल हेड ऑफ एचआर (वेस्ट-I), के साथ-साथ एनटीपीसी डब्ल्यूआर-I के अन्य सीनियर अधिकारियों और सीएसआर टीम के सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति में हुई। इस मौके पर जीसीआरआई के सीनियर प्रतिनिधि भी मौजूद थे। विद्युत मंत्रालय ने बताया कि इस मदद का इस्तेमाल हाई-एनर्जी लीनियर एक्सीलरेटर (एलआईएनएसी) की खरीद और इंस्टॉलेशन के लिए किया जाएगा।

इससे कैंसर के एडवांस्ड इलाज की क्षमता में काफी सुधार होगा और इस क्षेत्र के मरीजों को अच्छी क्वालिटी की रेडियोथेरेपी सेवाएं मिल सकेंगी। यह पहल समावेशी विकास के प्रति एनटीपीसी की प्रतिबद्धता और सार्थक सीएसआर पहलों के जरिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर केन्द्रित है।

असल जिंदगी में भी डबल रोल निभा रहीं गुरलीन चोपड़ा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री गुरलीन चोपड़ा का नाम फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ फिटनेस के क्षेत्र में भी जाना जाता है। अभिनेत्री गुरलीन की कहानी सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने सही जीवनशैली और फिटनेस के महत्व पर भी जोर दिया है। एक्ट्रेस का जन्म 30 दिसंबर 1990 को पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ में हुआ। उन्होंने मिस चंडीगढ़ का खिताब जीता। यह उनके लिए करियर की दिशा बदलने वाला पल साबित हुआ। दोस्तों के सुझाव की वजह से उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। शुरुआत में उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो और विज्ञापनों में काम किया, यहां से उन्हें फिल्म इंडस्ट्री तक पहुंचने का मौका मिला। गुरलीन ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत हिंदी फिल्म इंडियन बाबू से की। इसके बाद उनकी अगली फिल्म कुछ तो गड़बड़ है आई, जिसमें उन्होंने एक अनाथ लड़की का किरदार निभाया। इस दौरान उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में भी अपने पैर जमाए। तेलुगु फिल्म आयुधम उनके करियर की शुरुआती फिल्मों में शामिल है। इसके बाद उन्होंने कन्नड़ और तमिल फिल्मों में भी अभिनय किया। कन्नड़ फिल्म मनमथा में उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई, जिसे दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने बहुत सराहा। गुरलीन का करियर सिर्फ फिल्मों तक ही सीमित नहीं रहा। उन्होंने अपनी फिटनेस और हेल्थ के प्रति लगाव को बिजनेस में बदल दिया। इसके तहत, उन्होंने लोगों को सही डाइट, योग और व्यायाम के जरिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने डायबिटीज, हार्मोनल अनबैलेंस और थॉयराइड जैसी समस्याओं में प्राकृतिक और हेल्दी उपाय अपनाने की प्रेरणा दी। गुरलीन ने दुनिया भर में लाखों लोगों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में मदद की है।

चित्रांगदा सिंह के कॅरियर के लिए खास रहा साल 2025

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ऐसे चुनिंदा कलाकारों में शामिल हैं, जिन्होंने हमेशा संख्या से ज्यादा गुणवत्ता को महत्व दिया है। साल 2025 उनके करियर के लिए खास रहा है, जिसमें उन्होंने हाउसफुल 5, परिक्रमा और रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स जैसी अलग-अलग तरह की प्रोजेक्ट्स में काम किया। चित्रांगदा सिंह ने कहा, भले ही मेरा फिल्मी सफर बहुत लंबा या लगातार नहीं रहा, लेकिन इस बात की खुशी है कि दर्शकों ने मेरे काम को याद रखा है। मेरा मानना है कि किसी किरदार के स्क्रीन टाइम से ज्यादा जरूरी यह होता है कि वह दर्शकों पर कितना असर छोड़ता है। अपने किरदार चुनने के तरीके पर बात करते हुए चित्रांगदा ने कहा, अब धीरे-धीरे इंडस्ट्री में भी यह समझ विकसित हो रही है कि सिर्फ ज्यादा काम करना ही सब कुछ नहीं होता। कभी-कभी एक छोटा सा सीन या सीमित स्क्रीन टाइम वाला किरदार भी दर्शकों के दिल में गहरी जगह बना सकता है। ऐसा कई बार देखा गया है कि एक मजबूत सीन पूरी फिल्म के मुकाबले ज्यादा यादगार बन जाता है।चित्रांगदा ने कहा, मेरा यह भी मानना है कि सिर्फ अच्छा काम करना ही काफी नहीं होता। एक कलाकार के लिए फैंस के बीच अपनी मौजूदगी बनाए रखना भी जरूरी होता है। अच्छा काम और दर्शकों तक पहुंच, इन दोनों के बीच संतुलन होना चाहिए। इसलिए कलाकार को ऐसे रोल मिलने जरूरी होते हैं, जिन्हें लोग याद रखें और जिनसे उनका काम आगे बढ़े। लेकिन, वही काम टिकता है, जिसमें सच्चाई और गहराई हो। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स में चित्रांगदा का अभिनय चर्चा में रहा। इस फिल्म में उनके किरदार के लिए काफी सराहना मिली। चित्रांगदा ने कहा, मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मैंने जितना भी काम किया है, लोगों ने उसे सराहा और याद रखा है। काम ही आगे काम दिलाता है, लेकिन अच्छा काम लंबे समय तक मौके देता है और कलाकार को टिकाऊ पहचान देता है। रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स को लेकर चित्रांगदा ने महिला किरदारों के चित्रण पर भी बात की।

आम्रपाली दुबे और प्रेम राय की फिल्म 'सीआईडी बहू' का पोस्टर रिलीज

मुंबई। भोजपुरी फिल्म सीआईडी बहू का पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म सीआईडी बहू के पोस्टर में आम्रपाली दुबे एक हाथ में बंदूक और दूसरे हाथ में लेंस के साथ नज़र आ रही हैं। श्रेयस फिल्म्स प्रा. लि. प्रस्तुत फिल्म 'सीआईडी बहू' का निर्माण प्रेम राय ने किया है। इस फिल्म को लेकर उन्होंने दावा किया कि यह फिल्म भोजपुरी सिनेमा में अब तक बने पारंपरिक ढर्रे से बिल्कुल अलग और अनोखे कांसेप्ट पर आधारित है। उन्होंने कहा कि सीआईडी बहू में जहां एक ओर सस्पेंस, थ्रिल और इन्वेस्टिगेशन का दमदार तड़का देखने को मिलेगा, वहीं दूसरी ओर पारिवारिक भावनाओं और सामाजिक सरोकारों को भी मजबूती से पिरोया गया है।

द राजा साब में बोमन ईरानी का है अहम किरदार : मारुति

मुंबई। निर्देशक मारुति का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म द राजा साब में बोमन ईरानी सबसे अहम किरदारों में से एक हैं। वर्ष 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार द राजा साब, जिसे भारत की सबसे बड़ी हॉरर फैंटेसी एंटरटेनर कहा जा रहा है, इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में है। हाल ही में फिल्म के मेकर्स द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में मारुति ने दिग्गज अभिनेता बोमन ईरानी के किरदार पर खुलकर बात की।मारुति ने बताया है कि द राजा साब में बोमन ईरानी हैं सबसे अहम किरदारों में से एक हैं। वीडियो में मारुति ने बताया है कि बोमन ईरानी का किरदार कहानी में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट लेकर आता है। उन्होंने समझाया कि इस किरदार की एंट्री से फिल्म का टोन कैसे बदलता है और यह कहानी को आगे बढ़ाने में कितनी अहम भूमिका निभाता है। मारुति ने कहा,"इस फिल्म का एक और बेहद जरूरी किरदार बोमन ईरानी का है। जैसा कि ट्रेलर में दिखा है, उनका मेकओवर बिल्कुल अलग होगा। हमने उनके साथ लाइब्रेरी में शूट किया है। बोमन ईरानी इस फिल्म में एक साइकियाट्रिस्ट का रोल निभा रहे हैं। शुरुआत से ही सोच थी कि जैसे ही उनका किरदार आए, फिल्म का टोन हॉरर कॉमेडी से एक अलग ही कल्पनात्मक मोड़ ले। उन्होंने हर डायलॉग खुद तेलुगु और हिंदी में बोला है। वो ऐसे अभिनेता हैं जो दर्शकों को सम्मोहित कर लेते हैं। जैसे थ्री इडियट्स में वायरस का किरदार आज भी याद किया जाता है, वैसे ही यहां भी उनका असर रहेगा। भले ही वो फिल्म में 15 से 16 मिनट के लिए हों, लेकिन जब तक वो स्क्रीन पर हैं, आप उनकी एक्टिंग में पूरी तरह खो जाएंगे।

मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे ऐसे मौके मिले: मोना सिंह

मुंबई। अभिनेत्री मोना सिंह ने टीवी, सिनेमा और डिजिटल प्लेटफॉर्म, तीनों में अपनी जगह बनाई है। अभिनेत्री मोना सिंह के लिए बीते 25 साल व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह के विकास का दौर रहा। मोना सिंह ने कहा, मैंने इंडस्ट्री के साथ-साथ खुद को भी आगे बढ़ाया है। मुझे ऐसे किरदार मिले जिन्होंने चुनौती दी और मेरी क्षमता को परखा। इतने सालों बाद भी अगर मैं उत्साहित हूं, तो यह मेहनत और सीख का ही परिणाम है। उन्होंने कहा, मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे ऐसे मौके मिले, जहां मैंने अलग-अलग माध्यमों में काम करते हुए अपनी पहचान बनाई। जब उनसे इंडस्ट्री में आए सबसे बड़े बदलाव के बारे में पूछा, तो मोना ने कहा, इंडस्ट्री में काफी बदलाव आए, लेकिन सबसे ज्यादा हैरानी इस बात की हुई कि इंडस्ट्री ने बदलाव को इतनी जल्दी अपनाया। ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से कलाकारों और कहानीकारों के लिए नए मौके खुले। अब उम्र, जॉनर या फॉर्मेट की कोई बाधा नहीं रही।उन्होंने कहा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दर्शक भी सीधे कलाकारों से जुड़ सकते हैं। 90 के दशक में कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन दर्शक कलाकारों से इतनी सीधे बातचीत कर सकेंगे। मोना सिंह ने कहा, पिछले 25 सालों में बॉलीवुड में सबसे बड़ा बदलाव कहानी कहने के तरीके में आया है। अब कहानियां ज्यादा वास्तविक, बहु-स्तरीय और निडर बन गई हैं। फिल्में और वेब सीरीज अब उन भावनाओं और किरदारों को दिखा रही हैं जिनसे पहले लोग बचते थे। यह बदलाव न केवल कलाकारों के लिए नए अवसर लेकर आया है, बल्कि दर्शकों के अनुभव को भी नया रूप देता है। उन्होंने कहा, टेक्नोलॉजी ने फिल्मों की शूटिंग और प्रस्तुति को पूरी तरह बदल दिया है। कैमरा, एडिटिंग और डिजिटल प्रभावों के साथ अब कहानी दिलचस्प और प्रभावशाली बन गई है। लेकिन, सबसे रोमांचक चीज यह है कि दर्शक भी बदल गए हैं।

अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला किया

कारकस (वेनेजुएला)। अमेरिका ने शुक्रवार देर रात को वेनेजुएला पर 'बड़े पैमाने पर हमला' किया। अमेरिका ने कहा कि महीनों से दबाव बनाए जाने के बाद अंततः देश के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया गया है तथा देश से बाहर ले जाया गया है।

अमेरिका ने इसे एक असाधारण रात्रिकालीन अभियान बताया जिसकी घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमले के कुछ घंटों बाद सोशल मीडिया पर की। वहीं, वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज ने कहा कि मादुरो, उनकी पत्नी के बारे में कोई जानकारी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हम उनके जीवित होने का सबूत चाहते हैं। वेनेजुएला की राजधानी कारकस में कम ऊंचाई पर उड़ते कई विमानों और कम से कम सात विस्फोटों की आवाज सुनी गई। शुक्रवार देर रात स्थानीय समयानुसार करीब दो बजे हुई इस घटना को लेकर टिप्पणी करते हुए वेनेजुएला सरकार ने अमेरिका पर कई राज्यों में सैन्य तथा सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने का आरोप लगाया। वेनेजुएला की सरकार ने इसे 'साम्राज्यवादी हमला' करार दिया और नागरिकों से सड़कों पर उतरने का आह्वान किया। अभी यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि देश का शासन किसके हाथ में है और मादुरो कहां हैं इस बारे में भी तुरंत जानकारी नहीं मिली है।

ट्रंप ने 4:30 बजे (ईस्टर्न टाइम) के बाद 'ट्रुथ सोशल' पर इन घटनाक्रमों की घोषणा की। ट्रंप ने कहा कि मदुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर देश से बाहर भेज दिया गया है। यह अभियान अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से चलाया गया। विस्तृत जानकारी जल्द दी जाएगी। कारकस में एक सैन्य अड्डे से धुआं उठता देखा गया। राजधानी के एक अन्य सैन्य प्रतिष्ठान में बिजली गुल रही। विभिन्न इलाकों में लोग घरों से निकलकर सड़कों पर आ गए। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि इस हमले में कोई हताहत हुआ है या नहीं। यह हमला 30 मिनट से भी कम समय तक चला, लेकिन यह स्पष्ट नहीं था कि आगे और भी कार्रवाई होगी या नहीं। हालांकि ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा कि हमले 'सफलतापूर्वक' अंजाम दिए गए। विस्फोटों से पहले 'लगातार सैन्य गतिविधि' के कारण अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन ने वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र में अमेरिकी वाणिज्यिक उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ने मादुरो पर दबाव बढ़ाया है।

ट्रंप ने मादुरो पर अमेरिका में नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद का सहारा लेने का आरोप लगाया है। पिछले हफ्ते वेनेजुएला के मादक पदार्थ गिरोहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक 'डॉकिंग' (बंदरगाह) क्षेत्र पर अमेरिका खुफिया एजेंसी सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (सीआईए) ने ड्रोन हमला किया था। सितंबर में अमेरिका द्वारा हमले शुरू किए जाने के बाद से वेनेजुएला की धरती पर यह पहला ज्ञात प्रत्यक्ष अभियान था।

ट्रंप महीनों से धमकी दे रहे थे कि मादक पदार्थ ले जाने वाली नौकाओं पर हमला करने के बाद वह जल्द वेनेजुएला की धरती पर स्थित इस तरह के (मादक पदार्थ) ठिकानों पर हमले का आदेश दे सकते हैं। मादुरो ने अमेरिकी सैन्य अभियानों की निंदा करते हुए उन्हें सत्ता से बेदखल करने का एक छिपा हुआ प्रयास बताया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन से जब इस मामले में टिप्पणी करने का अनुरोध किया गया तो उसने यह अनुरोध 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) से करने को कहा।

'व्हाइट हाउस' ने इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इस बीच, अमेरिकी संघीय विमानन प्राधिकरण (एफएए) ने 'जारी सैन्य गतिविधि' का हवाला देते हुए कारकस में विस्फोटों से पहले वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र में अमेरिकी वाणिज्यिक उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया। इस बीच, एक कार्यालय में काम करने वाली 21 वर्षीय कारमेन हिडाल्गो ने कांपती आवाज में कहा कि पूरी जमीन हिल गई। यह बहुत भयानक है। हमने विस्फोटों और विमानों की आवाज सुनी। सरकार ने एक बयान जारी कर अपने समर्थकों से सड़कों पर उतरने का आह्वान किया। बयान में कहा गया कि लोग सड़कों पर उतरें! बोलिवेरियन सरकार देश की सभी सामाजिक और राजनीतिक ताकतों से आह्वान करती है कि वे लामबंदी योजनाओं को सक्रिय करें और इस साम्राज्यवादी हमले का विरोध करें।

बयान में कहा गया कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने 'सभी राष्ट्रीय रक्षा योजनाएं लागू करने' के निर्देश दिए हैं और 'बाह्य व्यवधान की स्थिति' घोषित की है। शुक्रवार को वेनेजुएला ने कहा था कि वह मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए अमेरिका के साथ एक समझौते पर बातचीत के लिए तैयार है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने पहले से रिकॉर्ड किए गए और बृहस्पतिवार को प्रसारित एक साक्षात्कार में कहा था कि अमेरिका वेनेजुएला में सरकार बदलने के लिए दबाव बनाना और उसके विशाल तेल भंडार तक पहुंच हासिल करना चाहता है। उन्होंने कहा था कि दबाव बनाने का यह अभियान अगस्त में कैरिबियाई सागर में बड़े पैमाने पर अमेरिकी सैन्य तैनाती के साथ शुरू हुआ था और कई महीनों से जारी है।

ईरान में विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हुई

दुबई। ईरान में खराब अर्थव्यवस्था के विरोध में भड़के प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में दो अन्य लोगों की मौत हो गई, जिससे विरोध-प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या कम से कम 10 हो गई है। प्रदर्शन रुकने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

नयी मौत के मामले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुक्रवार को ईरान को दी गई चेतावनी के बाद सामने आए, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि तेहरान 'शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की हत्या करता है, तो अमेरिका उनकी सहायता के लिए आगे आएगा।' यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप हस्तक्षेप करेंगे या नहीं, लेकिन उनके इस बयान से ईरान शासन के भीतर अधिकारियों की ओर से तत्काल और तीखी प्रतिक्रिया सामने आई, जिसमें मध्य पूर्व में तैनात अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाने की धमकी दी गई। इससे पहले 2022 में ईरान में बड़े स्तर पर विरोध-प्रदर्शन देखे गए थे, जब 22 वर्षीय महसा अमिनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद देशव्यापी प्रदर्शन हुए थे। शनिवार तड़के देश के प्रमुख शिया मदरसों के केंद्र कोम शहर में एक ग्रेनेड विस्फोट हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, वह व्यक्ति शहर में लोगों पर हमला करने के इरादे से ग्रेनेड लेकर आया था। कोम से ऑनलाइन सामने आए वीडियो में कथित तौर पर रात के समय सड़कों पर आग लगी हुई दिखाई दे रही थी। दूसरी मौत हर्सिन शहर में हुई, जो तेहरान से करीब 370 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है।

ट्रंप की धमकी पर ईरान की दो टूक कहा- अमेरिकी सैन्य अड्डे हमारे टारगेट होंगे

तेहरान। ईरान इस समय व्यापक घरेलू अशांति और गंभीर अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव के दोहरे संकट से जूझ रहा है। राजधानी तेहरान सहित देश के प्रमुख शहरों जैसे कुम, इस्फहान, मशहद और हमदान में रविवार से ही जोरदार प्रदर्शन जारी हैं।

इस तनावपूर्ण स्थिति के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लॉक्ड एंड लोडेड वाली टिप्पणी ने आग में घी डालने का काम किया है। ट्रंप ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि ईरान सरकार ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ घातक सैन्य बल का प्रयोग किया, तो अमेरिका मूकदर्शक नहीं बना रहेगा और हस्तक्षेप करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह रुख संकेत देता है कि अमेरिका ईरान में मानवाधिकारों के उल्लंघन को लेकर पूरी तरह सतर्क है। ईरान ने अमेरिका के इस बयान पर बेहद तीखी प्रतिक्रिया दी है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गलिबाफ ने कहा है कि यदि अमेरिका ने देश के आंतरिक मामलों में दखल देने की कोशिश की, तो क्षेत्र में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य अड्डे और उनके सुरक्षा बल ईरान के सीधे निशाने पर होंगे।

यूएनएससी के पांच अस्थायी सदस्य देशों ने संभालीं जिम्मेदारी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य दे रूप में बहरीन, कोलंबिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, लातविया और लाइबेरिया ने शुक्रवार अपनी जिम्मेदारियां संभालनी शुरू की। उन पांच देशों का दो वर्षीय कार्यकाल आधिकारिक तौर पर एक जनवरी से शुरू हुआ लेकिन क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के बाद परिषद का 2026 का पहला कार्य दिवस शुक्रवार को था। उनकी जिम्मेदारियों की शुरुआत के अवसर पर ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह की सह-मेजबानी करने वाले कजाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र राजदूत कैरात उमरोव ने परिषद के पांच नए सदस्यों को बधाई दी और उनके कार्यकाल में दृढ़ता, उद्देश्य की एकता और सफलता की कामना की। श्री उमरोव ने कहा कि झंडे फहराना इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि सुरक्षा परिषद मंष सेवा करना एक विशेषाधिकार एवं जिम्मेदारी दोनों है। यह संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों की ओर से निभाई जाने वाली चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी की शुरुआत का प्रतीक है।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह अचानक पहुंचे विराटनगर, शनि मंदिर और काली मंदिर में की पूजा

विराटनगर(नेपाल)। जेन जी आंदोलन के बाद नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह पहली बार शनिवार को सीमा पार विराटनगर पहुंचे।पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह अपने समर्थकों और राजशाही दल के नेताओं को बिना किसी सूचना दिए ही विराटनगर पहुंचे।

अचानक पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह को देखकर लोग सड़क पर रुक गए और उनके समर्थन में थोड़ी बहुत नारेबाजी भी की। पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह विराटनगर जलजला चौक स्थित शिव मंदिर और काली मंदिर पहुंचे।जहां उन्होंने शनि महाराज और मां काली की पूजा अर्चना की। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह विराटनगर के प्रसिद्ध शक्तिपीठ काली मंदिर में मां की प्रतिमा का दर्शन किए और पूजा अर्चना की। वे करीबन 17 मिनट तक शक्तिपीठ मां काली मंदिर में रुके। मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ मीनाक्षी नेपाल ने उनका स्वागत बुके और फूलमालाओं के साथ किया।मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने इस दौरान मंदिर के बारे में पूर्व नरेश को जानकारी दी। मोरंग जिला पुलिस के अनुसार,पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह काली मंदिर में दर्शन के लिए झापा जिला के दमक से विराटनगर आए थे।दर्शन के बाद वे विश्राम और भोजन के लिए इटहरी के सॉल्टी होटल के लिए रवाना हो गए।मोरंग पुलिस प्रमुख एसपी कवित कटवाल ने बताया कि दमक-इटहरी-विराटनगर होते हुए वे पुनः इटहरी लौट गए।